

वर्ष-4 | अंक-253 | सांध्य दैनिक | मथुरा/आगरा संभाग, शुक्रवार, 6 नवंबर 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

दीवाली से पहले ही जहरीली हुई हवा,धरा से आसमान तक धुंध का घेरा

मथुरा का एक्यूआई 371 पर पहुंचा, दीपावली तक 400 पार होने की आशंका

आंखों में जलन और गले में खराश की शिकायतें बढ़ीं

शुक्रवार को सबसे खराब रहा प्रदूषण का स्तर


शुक्रवार दोपहर हाइवे पर छाई धुंध के बीच निकलते वाहन।

यूनिक समय, मथुरा। दीपावली दूर है, आतिशबाजी का दौर शुरू नहीं हुआ है, लेकिन जिले की हवा अभी से जहरीली होने लगी है। शुक्रवार सुबह से ही समूचे जिले में धुंध की चादर छाई रही। धूप भी धुंध के कारण बेअसर नजर आई। हवा में बढ़ते प्रदूषण का असर अब लोगों की सेहत पर भी दिखाई देने लगा है। आंखों में जलन, गले में खराश और सांस लेने में भारीपन जैसी शिकायतें सामने आ रही हैं। मथुरा का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 371 दर्ज किया गया। आशंका जताई जा रही है कि दीपावली तक यह आंकड़ा 400 के पार पहुंच सकता है।

मॉर्निंग वॉक से बचें, बाहर निकलें तो लगाएं मास्क

फिजीशियन डॉ. आरएन गर्ग का कहना है कि हवा में सूक्ष्म कणों (पीएम 2.5 और पीएम 10) की मात्रा बढ़ने से दमा, ब्रोंकाइटिस और एलर्जी के मरीजों की परेशानी बढ़ सकती है। बच्चों और बुजुर्गों को सुबह के समय धुंध अधिक होने पर मॉर्निंग वॉक से बचना चाहिए। जरूरी होने पर ही घर से बाहर निकलें और दोपहिया वाहन चलाते समय चश्मे के साथ मास्क का इस्तेमाल करें। आंखों में जलन होने पर साफ पानी से धोएं। सांस लेने में अधिक परेशानी होने पर तत्काल चिकित्सकीय परामर्श लें।

प्रदूषण की धुंधली परत के चलते दृश्यता भी प्रभावित हुई है। सुबह, और शाम के समय सड़कों पर धुंध का असर अधिक दिखाई दे रहा है, जबकि दोपहर में यह परेशानी की वजह बन रही है। इससे आम लोगों की परेशानी बढ़ने लगी है। मौसम विज्ञानी नरेंद्र कुमार के अनुसार, दिवाली से पहले वायु गुणवत्ता बिगड़ने के पीछे त्योहारी सीजन में वाहनों का बढ़ता दबाव और सड़कों से उड़ने वाली धूल प्रमुख कारण हैं। दीपोत्सव के चलते शहर के प्रमुख बाजारों, हाईवे, मथुरा-गोवर्धन मार्ग और मथुरा-बरेली मार्ग सहित अन्य सड़कों पर वाहनों की आवाजाही बढ़ गई है। लगातार दौड़ रहे वाहनों, पुराने कॉमर्शियल ट्रकों और ऑटो से निकलने वाला धुआं वातावरण को प्रदूषित कर रहा है। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों और संपर्क मार्गों पर चल रहे निर्माण कार्यों, सफाई व्यवस्था की कमी के चलते सड़कों के किनारे जमा सूखी मिट्टी भी वाहनों के गुजरने से हवा में घुल रही है। मौसम में बदलाव के कारण रात और सुबह के तापमान में गिरावट आई है। ठंड की शुरुआत के साथ हवा की रफ्तार भी मंद पड़ रही है। ऐसे में तापमान व्युत्क्रमण (टेंपरेचर इन्वर्जन) की स्थिति बनने से धूल और धुएं के सूक्ष्म कण वातावरण की निचली सतह पर ही जमा हो रहे हैं। इससे धुंध और स्मॉग की परत गहरा रही है।

मथुरा में खपने से पहले पकड़ा पांच लाख का संदिग्ध पनीर

राजस्थान से आ रही बोलेरो पिकअप में मिला 2500 किलो पनीर, विभाग ने शुक्रवार बीती रात डेढ़ बजे की कार्रवाई

कोसीकलां में खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई, गुणवत्ता संदिग्ध मिलने पर लिए दो नमूने पनीर कराया नष्ट


संदिग्ध पनीर को नष्ट कराते सहायक आयुक्त खाद्य डा. जतिन कुमार सिंह और टीम।

यूनिक समय, मथुरा। राजस्थान से मथुरा बिक्री के लिए लाया जा रहा 2500 किलोग्राम पनीर खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने जांच के दौरान संदिग्ध गुणवत्ता का पाए जाने पर नष्ट करा दिया। नष्ट कराए गए पनीर की अनुमानित कीमत 5.05 लाख रुपये बताई गई है। खाद्य सुरक्षा विभाग ने पनीर के दो नमूने लेकर जांच के लिए राजकीय खाद्य प्रयोगशाला भेजे हैं। जांच रिपोर्ट आने के बाद संबंधित कारोबारकर्ता के खिलाफ अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन और डीएम चंद्रप्रकाश सिंह के आदेश पर शुक्रवार रात करीब डेढ़ बजे सहायक आयुक्त खाद्य डॉ. जतिन कुमार सिंह के नेतृत्व में खाद्य सचल दल ने पुलिस बल के साथ कार्रवाई की। टीम ने कोसीकलां थाना क्षेत्र में छाता तहसील के अंतर्गत बठेन गेट पुलिस चौकी के पास एनएच-19 पर राजस्थान के कामां की ओर से आ रही मथुरा नंबर की बोलेरो पिकअप को रोककर निरीक्षण किया।

वाहन चालक सलीम पुत्र इस्माइल ने टीम को बताया कि पिकअप में कामां स्थित पनीर निर्माण डेयरी से बिक्री के लिए करीब 2500 किलोग्राम पनीर लाया जा रहा है। इसकी अनुमानित कीमत 5,05,000 रुपये बताई गई। जांच के दौरान कारोबारी की ओर से पनीर के क्रय-विक्रय से संबंधित अभिलेख प्रस्तुत नहीं किए जा सके। वहीं, पनीर की गुणवत्ता को लेकर भी संदेह सामने आया। इसके बाद खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने पनीर के दो नमूने संग्रहित कर जांच के लिए राजकीय खाद्य प्रयोगशाला भेजे। साथ ही जनहित में अस्वच्छकर, दूषित एवं संदिग्ध पनीर को मौके पर ही नष्ट करा दिया। कार्रवाई के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी दिनेश भारती, धर्मेंद्र सिंह और जितेंद्र सिंह मौजूद रहे। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, प्रयोगशाला की जांच रिपोर्ट मिलने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

खाद की चार दुकानों के लाइसेंस निलंबित, खरीद-बिक्री पर रोक

46 उर्वरक प्रतिष्ठानों पर छापेमारी में मिलीं अनियमितताएं, नौ विक्रेताओं को कारण बताओ नोटिस

यूनिक समय, मथुरा। जिले में खाद की कालाबाजारी और अनियमित बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए कृषि विभाग की छापेमारी में चार उर्वरक विक्रेताओं के लाइसेंस निलंबित कर दिए गए हैं। इनके खाद खरीदने और बेचने पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है। इसके अलावा नौ उर्वरक विक्रेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं।

जिला कृषि अधिकारी आवेश कुमार सिंह ने बताया कि डीएम चंद्रप्रकाश सिंह के निर्देश पर जिले के सभी 10 विकासखंडों में सहकारी और निजी उर्वरक बिक्री केंद्रों की जांच के लिए 10 टीमें गठित की गई थीं। एसडीएम के नेतृत्व में गठित टीमों ने 46 उर्वरक प्रतिष्ठानों पर आकस्मिक छापेमारी की। इस दौरान अनियमितताएं मिलने पर उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 के तहत कार्रवाई की गई।

लाइसेंस निलंबित किए गए प्रतिष्ठानों में चौधरी एग्रो एजेंसी फरह, अग्रवाल खाद बीज भंडार फरह, दीक्षित खाद बीज भंडार फरह और पारस खाद भंडार फरह शामिल हैं। वहीं रबी खाद बीज भंडार मंडी चौराहा, आईएफएफडीसी अवैरनी, मीनू खाद बीज भंडार माट, एग्री जंक्शन केंद्र माट रोड, रबी खाद भंडार माट, नवीन खाद बीज भंडार माट, गौरव खाद बीज भंडार जमुनावता गोवर्धन, आईएफएफडीसी बरसाना और राधे-राधे कृषि सेवा केंद्र माट रोड राया को नोटिस जारी किए गए हैं। जिला कृषि अधिकारी ने किसानों से अपील की है कि खाद खरीदते समय पीओएस मशीन पर अंगूठा लगाएं, बिक्री रजिस्टर में नाम दर्ज कर हस्ताक्षर करें। एफआईडी, खतौनी और आधार संबंधी आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद ही खाद प्राप्त करें। बिना पीओएस प्रक्रिया के खाद बेचने की शिकायत मोबाइल नंबर 8272893015 पर की जा सकती है।

ट्रेनों से आने वाले यात्रियों को मिलेगी राहत

वृंदावन रोड रेलवे स्टेशन पर 20 करोड़ से बनेगा दूसरा प्रवेशद्वार

संकरा रास्ता होने से यात्रियों को होती है परेशानी, रेलवे ने प्रस्ताव को दी मंजूरी



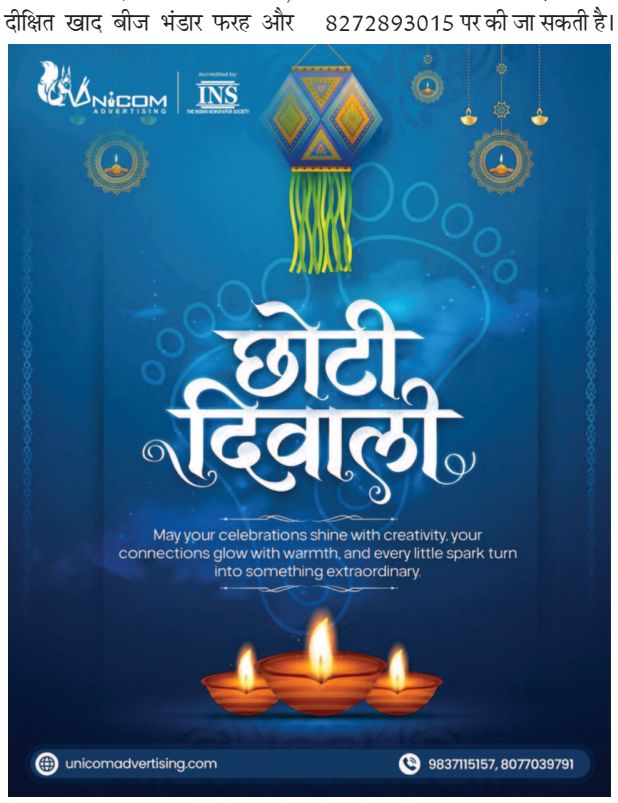
यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन रोड रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा और आवागमन को सुगम बनाने के लिए रेलवे ने एक बड़ी पहल की है। स्टेशन पर करीब 20 करोड़ रुपये की लागत से दूसरा प्रवेशद्वार बनाया जाएगा। रेलवे ने इसके प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। नए प्रवेशद्वार के निर्माण से यात्रियों को स्टेशन तक पहुंचने और बाहर निकलने में काफी सहूलियत मिलेगी। वर्तमान में वृंदावन रोड स्टेशन पर आने-जाने के लिए एक ही प्रवेशद्वार है। इसका रास्ता काफी संकरा होने के कारण यात्रियों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ता है। खासकर ट्रेनों के आने और जाने के समय स्टेशन पर यात्रियों की भीड़ बढ़ जाती है। ऐसे में संकरे रास्ते से गुजरने के दौरान यात्रियों को दिक्कत होती है। कई बार भीड़ के कारण लोगों को स्टेशन तक पहुंचने और बाहर निकलने में अतिरिक्त समय भी लग जाता है।

वृंदावन रोड स्टेशन पर है आठ यात्री ट्रेनों का ठहराव

वृंदावन रोड स्टेशन पर आठ यात्री ट्रेनों को ठहराव है। यहां उतरने वाले यात्री वृंदावन, गोवर्धन के धार्मिक स्थलों के दर्शन करने जाते हैं। जन्माष्टमी और मुड़िया पूर्णिमा मेले के दौरान इसकी महत्ता और बढ़ जाती है।

वृंदावन धार्मिक और पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थान है। यहां देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक पहुंचते हैं। त्योहारों, धार्मिक आयोजनों और छुट्टियों के दौरान यात्रियों की संख्या में और अधिक इजाफा हो जाता है। रेलवे की ओर से दूसरे प्रवेशद्वार के प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद अब इसके निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। करीब 20 करोड़ रुपये की लागत से दूसरा प्रवेशद्वार, दो लेन की सड़क, वाहन पर्किंग आदि का निर्माण होगा।

> वृंदावन रोड स्टेशन पर दूसरे प्रवेशद्वार का प्रस्ताव मंजूर हो गया है। दूसरे प्रवेशद्वार के निर्माण पर 20 करोड़ रुपये की लागत आएगी। टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा।
> -सुनील कुमार शर्मा, स्टेशन निदेशक।



लक्ष्मी ग्रुप/सुविधा परिवार की ओर से दीपावली, नववर्ष की शुभकामनाऐं

श्री परमपूज्य गुरू जी के आदेश पर अन्य सज्जनों को प्रेरित करने के उद्देश्य से प्रसारित। महोदय गजेन्द्र कुमार शर्मा (चेयरमैन लक्ष्मी ग्रुप मथुरा) को समाज सेवा में ''राजीव गांधी अवार्ड'', चार देशों के शिखर सम्मेलन में ''गोल्ड मैडल'', नेपाल भूकम्प सहायता पर नेपाल सरकार द्वारा ''इण्डोनेपाल समरसता अवार्ड'' एवं ''लालबहादुर शास्त्री सम्मान'' ''बृज कुल भूषण'', ''भारत सेवा रत्न'', ''विप्रकुल गौरव'', ''वैष्णव गौरव'', ''बृज रत्न'' ''ब्राह्मड शिरोमणि'' ''उद्योग भारती सम्मान'' ''परशुराम गौरव सम्मान'' आगरा मण्डल में सर्वाधिक टैक्स जमा करने पर चीफ कमिश्नर लखनऊ श्री बी आर त्रिपाठी, एवं आगरा कमिश्नर श्रीमती सुचित्रा शर्मा जी द्वारा डालीबाग लखनऊ में सम्मान, सहित 31 अक्टूबर 26 तक कुल सम्मान श्रृंखला 400 तक पहुंच चुकी है। मैं स्पष्ट कर दूं कि मैं कभी किसी से चन्दा राशि नहीं लेता, मैंने कोई एनजीओ नहीं बनायी, मैंने कभी किसी की आत्मा दुखा कर धन अर्जित नहीं किया मैं नीतिपूर्वक कमाये धन से दूसरी संस्थाओं के साथ मिल कर सेवा कार्य करता हूं।

गुरु जी की आज्ञा से आप भी दीन दुःखी आदि जरूरतमंदों की सेवा कर पुण्य धन कमाऐं

यह पुण्य धन ही आत्मा के साथ आया है यही धन आत्मा के संग जाएगा

पंजीकृत उद्यमियों के बिलो की 3 वर्ष से रूकी हुई राशियों की वसूली MSME के माध्यम से कराने के लिए सम्पर्क करें मो. 9457666666, 7599515151



देवीपुरा के मकान में लगी भीषण आग,चार लोग झुलसे



घर से उठती आग लपटों को पानी डालकर शांत करते अग्निशमनकर्मी।



घर में आग लगने से हुए नुकसान के बाद रोती पीड़ित परिवार की महिला।

यूनिक समय, मथुरा। शहर के देवीपुरा इलाके में एक मकान में लगी भीषण आग से हड़कंप मच गया। आग की चपेट में आकर परिवार के चार सदस्य झुलस गए। पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। आग इतनी विकराल थी कि मकान की दीवारें तक चटक गईं और दरवाजे पर खड़ी ईको कार भी जलकर क्षतिग्रस्त हो गई। सूचना पर पहुंची दमकल की चार गाड़ियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है।

लपटों से चटकी घर की दीवारें, दरवाजे पर खड़ी ईको कार भी जलकर राख

दमकल की चार गाड़ियों ने पाया काबू, घायल कराए जिला अस्पताल में भर्ती

देवीपुरा की सुलेखा वाली गली निवासी हीरा के मकान में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। इसकी चपेट में आकर सावित्री देवी, हिमांशू, इश्वरी प्रसाद और पुरुषोत्तम झुलस गए। मकान से उठती आग की ऊंची लपटें देखकर आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। लोग अपने घरों से बाहर निकल आए और आग बुझाने का प्रयास करने लगे, लेकिन लपटें लगातार तेज होती गईं। आग ने मकान के दरवाजे पर खड़ी ईको कार को भी अपनी चपेट में ले लिया। ईको कार धू-धूकर जलने लगी।

सूचना पर पुलिस और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं। एफएसओ नरेश कुमार और विनोद कुमार चार दमकल गाड़ियों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। एफएसओ नरेश कुमार ने बताया कि दमकल की चार गाड़ियों ने काफी प्रयास के बाद आग पर काबू पाया। आग से हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है। मकान मालिक हीरा ने बताया कि घर में रंगाई-पुताई का काम चल रहा था। उसने आशंका जताई कि रंगाई–पुताई के लिए लाए गए किसी केमिकल के गिरने से आग लगी हो सकती है। हालांकि, आग लगने के वास्तविक कारणों की पुष्टि नहीं हुई है।



ट्रेन से गिरकर अधेड़ की मौत,बीमार वृद्धा की इलाज के दौरान मौत

यूनिक समय, मथुरा। जंक्शन रेलवे स्टेशन के आगरा एंड के आउटर पर ट्रेन से गिरकर अधेड़ की मौत हो गई। वहीं तबियत खराब होने के बाद जिला अस्पताल भेजी गई वृद्धा की मौत हो गई। जीआरपी ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जीआरपी थाना प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि गुरुवार की रात आगरा एंड के आउटर पर किसी यात्री के गिरने की सूचना पर थाने से सिपाहियों को भेजा गया। मृतक की पहचान उसके साथी सुरेश ने 55 वर्षीय गनपत पुत्र हरिया निवासी गांव भाकौल तहसील खरगपुर जिला टीकमगढ़ मध्यम प्रदेश के रूप कर ली। आवश्यक कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं दूसरी ओर जंक्शन रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या एक पर गुरुवार की रात 71 वर्षीय नीतापाल पत्नी निरंजनपाल निवासी सिलीगुढ़ी दार्जलिंग की अचानक तबियत बिगड़ गई। परिजन आरपीएफ के सहयोग से उन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल लेकर गये, जहां उनकी मौत हो गई। जीआरपी थाना प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि वृद्धा की हालत बिगड़ने पर उन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल भिजवाया गया था, जहां उनकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

यातायात माह में भी जाम से जूझ रहा शहर, चालान तक सिमटी पुलिस

यूनिक समय, मथुरा। शहर में यातायात व्यवस्था सुधारने और लोगों को जाम से निजात दिलाने के लिए यातायात माह मनाया जा रहा है, लेकिन धरातल पर हालात बदलते नजर नहीं आ रहे। शहर के प्रमुख चौराहों और बाजारों में रोजाना घंटों जाम लग रहा है। वाहन चालक और राहगीर परेशान हैं, लेकिन यातायात व्यवस्था संभालने वाले पुलिसकर्मियों की सक्रियता अधिकतर चालान काटने तक दिखाई दे रही है। जाम खुलवाने और अवैध पार्किंग पर अंकुश लगाने की प्रभावी व्यवस्था नजर नहीं आ रही।

शहर के प्रमुख बाजारों और व्यस्त मार्गों पर सड़क किनारे खड़े बेतरतीब वाहन यातायात में सबसे बड़ी बाधा बन रहे हैं। दुकानों के सामने दोपहिया और चारपहिया वाहन खड़े कर दिए जाते हैं। इससे पहले से संकरी सड़कों की चौड़ाई और कम हो जाती है। बाजारों में खरीदारी के लिए आने वाले लोगों के वाहन भी सड़क पर खड़े होने से आवागमन बाधित होता है। थोड़ी ही देर में वाहनों की लंबी कतार लग जाती है।



भूतेश्वर से नए बस स्टैंड की ओर आने वाले मार्ग पर लगे जाम में फंसे वाहन।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यातायात माह में नियमों का उल्लंघन करने वालों के चालान तो काटे जा रहे हैं, लेकिन सड़क पर अवैध पार्किंग करने वालों और यातायात बाधित करने वाले वाहनों पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हो रही। शहर के होलीगेट चौराहा, क्वालिटी तिराहा, स्टेट बैंक चौराहा, श्रीकृष्ण जन्मस्थान गेट, डीग गेट तिराहा, भूतेश्वर तिराहा, नया बस अड्डा, कृष्णानगर, गोवर्धन चौराहा, मंडी चौराहा, भरतपुर गेट चौराहा, देरेसी रोड और केआर इंटर कॉलेज तिराहे पर जाम की समस्या बनी रहती है। इन स्थानों पर वाहनों

बेतरतीब पार्किंग और अतिक्रमण से सड़कों पर थम रहे पहिए, यातायात सुधारने के दावे बेअसर

की अधिक आवाजाही और बेतरतीब पार्किंग के कारण लोगों को परेशानी उठानी पड़ती है।स्कूलों की छुट्टी के समय जाम की समस्या और गंभीर हो जाती है। स्कूल बसों और छोटे स्कूली वाहनों के एक साथ सड़कों पर निकलने से यातायात का दबाव बढ़ जाता है। कई स्थानों पर बच्चों को लेने पहुंचने वाले अभिभावकों के वाहन भी सड़क किनारे खड़े हो जाते हैं। इससे अन्य वाहनों के निकलने का रास्ता तक नहीं बचता। ऐसे में यातायात माह के दौरान केवल चालान की कार्रवाई के बजाय जाम वाले स्थानों पर व्यवस्था सुधारने और अवैध पार्किंग पर सख्ती करने की जरूरत है।

अवैध बिटुमिन से भरा टैंकर पकड़ा एक गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। रिफाइनरी पुलिस और जिला पूर्ति निरीक्षक ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए अवैध बिटुमिन से भरा टैंकर पकड़ा है। मामले में टैंकर चालक को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस और जिला पूर्ति निरीक्षक फरह ने सूचना पर महेंद्र वर्कशॉप, फैक्ट्री एरिया में छापा मारा। यहां अवैध रूप से बिटुमिन से भरा टैंकर मिला। पुलिस ने चालक राजू उर्फ राजकुमार निवासी नगला पूठा, थाना महावन को हिरासत में लिया। पुलिस के अनुसार, चालक टैंकर में भरे बिटुमिन से संबंधित दस्तावेज नहीं दिखा सका। जिला पूर्ति निरीक्षक की रिपोर्ट के आधार पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

छाता चीनी मिल चालू न होने पर दीपावली को काला दिवस मनाएंगे किसान

एक दिवसीय भूख हड़ताल का ऐलान, घरों में नहीं जलाएंगे दीप

यूनिक समय, छाता। बंद पड़ी छाता चीनी मिल को चालू कराने की मांग को लेकर किसानों का धरना लगातार जारी है। कई दिन बीतने के बाद भी शासन-प्रशासन की ओर से ठोस आश्वासन नहीं मिलने से किसानों में आक्रोश बढ़ रहा है। अब किसानों ने आंदोलन तेज करने का निर्णय लिया है।

ललित कर्मयोगी के आह्वान पर धरना स्थल पर मौजूद किसानों और आसपास के गांवों के किसानों ने दीपावली को काला दिवस के रूप में मनाने का फैसला किया है। इस दिन किसान एक दिवसीय भूख हड़ताल करेंगे और अपने घरों में दीपक नहीं जलाएंगे। किसानों का कहना है कि जब तक चीनी मिल चालू कराने की दिशा में ठोस कदम नहीं उठाया जाता, उनका आंदोलन जारी रहेगा।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-3550761

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।



धनतेरस की पूजा से दीपोत्सव का आगाज, पांच दिन बरसेगा उल्लास



यूनिक समय, मथुरा। धनतेरस पर शुक्रवार को पूजा-अर्चना के साथ पांच दिवसीय दीपोत्सव का शुभारंभ होगा। इसके साथ ही ब्रजभूमि में अगले पांच दिनों तक त्योहारों की रौनक और उल्लास छाया रहेगा। बाजारों में खरीदारी की चहल-पहल के बीच घरों और मंदिरों में दीप सजेंगे। धनतेरस से शुरू होने वाला यह पर्व छोटी दीवाली, महालक्ष्मी पूजन, गोवर्धन पूजा और भाई दूज तक उत्साह के साथ मनाया जाएगा। धार्मिक और पौराणिक

धन्वंतरि, लक्ष्मी और कुबेर की होगी आराधना, घरों से मंदिरों तक दीपों की रोशनी से जगमगाएगा ब्रज

मान्यताओं के अनुसार, कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी के दिन समुद्र मंथन से आयुर्वेद के जनक और आरोग्य के देवता भगवान धन्वंतरि अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे। इसी कारण इस तिथि को धनतेरस के रूप में मनाया जाता है। मान्यता है कि इस दिन सोना-चांदी, आभूषण, धातु के बर्तन और झाड़ू खरीदना शुभ होता है। संध्याकाल में अकाल मृत्यु के भय से मुक्ति की कामना के साथ दक्षिण दिशा की ओर मुख करके यमराज के निमित्त चौमुखी दीपक जलाने की परंपरा भी निभाई जाएगी।

पांच दिन, पांच पर्व

धनतेरस (छह नवंबर) : भगवान धन्वंतरि, मां लक्ष्मी और कुबेर की पूजा-अर्चना होगी। सोना-चांदी, आभूषण, नए बर्तन और अन्य धातु की वस्तुओं की खरीदारी शुभ मानी जाती है।

नरक चतुर्दशी—छोटी दीवाली (सात नवंबर) : रूप चौदस और नरक चतुर्दशी के रूप में पर्व मनाया जाएगा। शाम को यमराज के निमित्त दीपदान होगा और घरों के प्रवेश द्वार पर दीपक जलाए जाएंगे।

दीपावली—महालक्ष्मी पूजन (आठ नवंबर) : प्रदोष और निशीथ काल के शुभ मुहूर्त में विघ्नहर्ता भगवान गणेश और धन-समृद्धि की देवी मां लक्ष्मी का विधि-विधान से पूजन किया जाएगा। घरों और प्रतिष्ठानों को दीपों तथा रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया जाएगा।

गोवर्धन पूजा-अन्नकूट (10 नवंबर) : भगवान श्रीकृष्ण और गिरिराज गोवर्धन की पूजा होगी। घरों और मंदिरों में गोबर से गोवर्धन पर्वत बनाकर पूजा और परिक्रमा की जाएगी। भगवान को छप्पन भोग और अन्नकूट का प्रसाद अर्पित किया जाएगा।

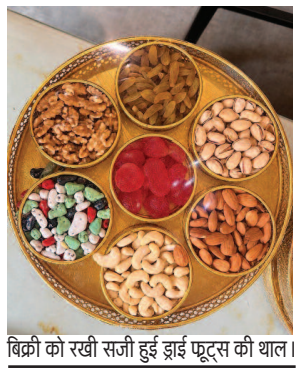
भाई दूज (11 नवंबर) : भाई-बहन के अटूट प्रेम और स्नेह का प्रतीक यह पर्व मनाया जाएगा। बहनें भाइयों के माथे पर रोली-अक्षत का तिलक लगाकर उनकी लंबी उम्र, सुख और समृद्धि की कामना करेंगी।



खुले बाजार में सस्ते, गिफ्ट बॉक्स में पहुंचते ही महंगे हो जाते हैं ड्राई फ्रूट्स

आकर्षक पैकिंग के नाम पर दो से ढाई हजार रुपये तक वसूली डिब्बों में महज 100 से 150 ग्राम की मात्रा

यूनिक समय, मथुरा। त्योहारों और खास अवसरों पर ड्राई फ्रूट्स के गिफ्ट बॉक्स देने का चलन तेजी से बढ़ा है। बड़े रेस्टोरेंट और होटलों में आकर्षक पैकिंग के साथ मिलने वाले ये गिफ्ट बॉक्स लोगों को लुभा तो रहे हैं, लेकिन इनकी कीमत आम आदमी की जेब पर भारी पड़ रही है। बाजार में खुले में अपेक्षाकृत कम कीमत पर मिलने वाले काजू, बादाम और किशमिश जब सजावटी डिब्बों में पैक होकर बिकते हैं तो उनकी कीमत कई गुना तक पहुंच जाती है। वर्तमान में बाजार में काजू करीब एक हजार रुपये किलो, बादाम लगभग 1300 रुपये किलो और किशमिश 500 से 600 रुपये किलो बिक रही है। वहीं, इन्हीं तीनों ड्राई फ्रूट्स को मिलाकर तैयार किए गए गिफ्ट बॉक्स की कीमत प्रतिष्ठानों में करीब दो हजार से ढाई हजार रुपये तक पहुंच रही है। हैरानी की बात यह है कि हजारों रुपये कीमत वाले इन गिफ्ट बॉक्स में ड्राई फ्रूट्स की मात्रा काफी कम होती है। कहीं 100 ग्राम तो कहीं 150 ग्राम काजू, बादाम और किशमिश को अलग-अलग या मिलाकर आकर्षक डिब्बों में सजाया जाता है। इसके बावजूद सुंदर पैकिंग और सजावट के नाम पर ग्राहकों से मोटी रकम वसूली जा रही है।


बिक्री को रखी सजी हुई ड्राई फ्रूट्स की थाल।

पैकिंग की कीमत पड़ रही भारी

खुले बाजार में यही ड्राई फ्रूट्स खरीदने पर ग्राहकों को अपेक्षाकृत कम खर्च करना पड़ता है। इसके उलट गिफ्ट बॉक्स में पैक होने के बाद उनकी कीमत कई गुना बढ़ जाती है। त्योहारों पर उपहार देने के लिए लोग इन बॉक्स को पसंद तो कर रहे हैं, लेकिन कम मात्रा और अधिक कीमत के चलते ये आम आदमी की पहुंच से दूर होते जा रहे हैं। ऐसे में आकर्षक पैकिंग के नाम पर ड्राई फ्रू ट्स की कीमत में होने वाली बढ़ोतरी ग्राहकों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है।

सरसों की अंकुरित फसल पर कटुआ कीट का प्रकोप

यूनिक समय, मथुरा। जनपद के कुछ क्षेत्रों में सरसों की अंकुरित फसल पर कटुआ (कटवर्म) कीट का प्रकोप देखने को मिल रहा है। यह कीट पौधों को जमीन की सतह के पास से काटकर नुकसान पहुंचा रहा है। इससे खेतों में पौधों की संख्या घटने और फसल की वृद्धि प्रभावित होने की आशंका है।

जिला कृषि रक्षा अधिकारी आवेश कुमार सिंह ने बताया कि कटुआ कीट की सूंडी दिन में मिट्टी में छिपी रहती है और रात में सक्रिय होकर पौधों को काटती है। किसानों को फसल का नियमित निरीक्षण करने की सलाह दी गई है। उन्होंने बताया कि रासायनिक नियंत्रण के लिए क्लोरपायरीफॉस 20 प्रतिशत ईसी की एक लीटर मात्रा को 200 से 240 लीटर पानी में घोलकर प्रति एकड़ छिड़काव करें। विकल्प के रूप में डेल्टामेथ्रिन 2.8 प्रतिशत की 750 मिलीलीटर मात्रा प्रति हेक्टेयर प्रयोग की जा सकती है। जैविक नियंत्रण के लिए नीम ऑयल की एक लीटर मात्रा 200 से 250 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ छिड़काव करें अथवा मेटाराइजियम एनीसोप्ली का प्रयोग करें। रसायनों के पंजीकरण और लेबल निर्देशों की पुष्टि जरूरी है। किसानों को बिना पहचान अनावश्यक कीटनाशक प्रयोग न करने की सलाह दी गई है।

जिला अस्पताल में घटे मरीज रोजाना 135 पहुंच रही ओपीडी

यूनिक समय, मथुरा। दीपावली त्योहार के चलते जिला अस्पताल में मरीजों की संख्या घट गई है। पहले जहां फिजिशियन की ओपीडी में रोजाना 180 से 200 मरीज उपचार कराने पहुंच रहे थे, वहीं अब यह संख्या घटकर करीब 135 रह गई है। हालांकि, ओपीडी में आने वाले मरीजों में खांसी-जुकाम, सांस संबंधी परेशानी और खून की कमी के मामले अधिक हैं।

खांसी-जुकाम, सांस की परेशानी और खून की कमी से पीड़ित मरीज करा रहे उपचार

जिला अस्पताल के फिजिशियन डॉ. रवि माहेश्वरी ने बताया कि इन दिनों रोजाना करीब 135 मरीज ओपीडी में पहुंच रहे हैं। इनमें लगभग 70 मरीज खांसी-जुकाम और वायरल संक्रमण से पीड़ित हैं, जबकि 35 मरीज सांस संबंधी परेशानी का उपचार करा रहे हैं। इसके अलावा करीब 15 मरीज शरीर में कमजोरी और खून की कमी की शिकायत लेकर पहुंच रहे हैं। कुछ मरीज अत्यधिक शराब सेवन से जुड़ी समस्याओं के उपचार के लिए भी आ रहे हैं।

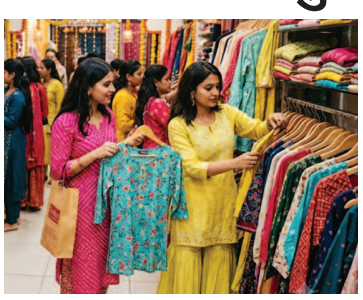
डॉ. माहश्वरी ने बताया कि दीपावली के कारण ओपीडी में मरीजों की संख्या कम हुई है। बदलते मौसम और बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए लोगों को स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहने की जरूरत है। सांस लेने में परेशानी होने पर लापरवाही न बरतें और चिकित्सक से परामर्श लें।



शॉर्ट कुर्ती संग शरारा-गरारा का युवतियों में चढ़ा खुमार

यूनिक समय, मथुरा। त्योहारों का रंग बाजारों में चढ़ने के साथ युवतियों और महिलाओं के फैशन का मिजाज भी बदल गया है। इस बार दीपावली पर पारंपरिक भारी और लॉन्ग कुर्तों के बजाय शॉर्ट कुर्ती, पेपलम टॉप और घेरदार शरारा-गरारा सेट का क्रेज सिर चढ़कर बोल रहा है। आधुनिकता के साथ पारंपरिक अंदाज का मेल युवतियों को खूब भा रहा है। शहर के रेडीमेड गारमेंट्स शोरूम और बुटीक में इन परिधानों की नई-नई वैरायटी खरीदारों को आकर्षित कर रही हैं।

इस बार शॉर्ट कुर्ती के साथ घेरदार शरारा और बूटकट पैंट का कॉम्बिनेशन खूब पसंद किया जा रहा है। वहीं पेपलम टॉप के साथ गरारे का मेल युवतियों को अलग और आकर्षक लुक दे रहा है। कारोबारियों के मुताबिक, अब भारी जरी और चमकदार कढ़ाई के बजाय हल्के वर्क और सोबर डिजाइन वाले कपड़ों की मांग अधिक है। फ्लोरल प्रिंट, मिनिमल गोटा-पट्टी और पारंपरिक


बांधनी प्रिंट के सेट खास पसंद किए जा रहे हैं।

रंगों की बात करें तो पीच, पिस्ता ग्रीन, लेमन येलो जैसे पेस्टल शेड के साथ रानी और लाल रंग के परिधानों की भी खूब मांग है। लाइटवेट होने के साथ रिच लुक देने वाले सेट युवतियों की पसंद बने हुए हैं। इनकी खासियत यह है कि इन्हें लक्ष्मी पूजन से लेकर दीवाली और पारिवारिक पार्टियों तक पहना जा सकता है।

वस्त्र विक्रेता पायल गौरी ने बताया कि इस बार शॉर्ट कुर्ती और पेपलम टॉप के साथ शरारा-

भारी लॉन्ग कुर्तों से बदला फैशन का मिजाज

पेपलम टॉप और घेरदार शरारा बने पहली पसंद

हल्के वर्क वाले परिधानों की बढ़ी मांग

गरारा सेट की बिक्री सबसे अधिक है। युवतियां ऐसे परिधान पसंद कर रही हैं, जो हल्के होने के साथ आकर्षक और शाही लुक भी दें। शिखा अग्रवाल के अनुसार शॉर्ट कुर्ती और शरारा सेट में पारंपरिकता के साथ आधुनिक फैशन का अंदाज मिलता है। बांधनी और हल्की गोटा-पट्टी वाले परिधान दीपावली पूजन के साथ दोस्तों की पार्टी में भी अलग लुक देते हैं।


धनतेरस पर कोतवाली रोड स्थित दुकान से बर्तन खरीदते ग्राहक।


शुक्रवार को होली गेट स्थित कोषदा ज्वैलर्स की दुकान पर खरीदारी करते ग्राहक।

बाजारों में धनवर्षा, 250 करोड़ का कारोबार

सोने-चांदी से लेकर वाहनों और बर्तनों तक की खूब हुई खरीदारी, देर रात तक बाजारों में उमड़ी रही ग्राहकों की भीड़

महंगाई पर भारी पड़ा त्योहार का उत्साह, पांच दिवसीय दीपोत्सव के पहले दिन कारोबारियों के खिले चेहरे


शुक्रवार को धनतेरस पर खरीददारों की भीड़ से भरा कृष्णा नगर का बाजार।


होली गेट जाने वाले रास्ते पर लगे जाम में थमे वाहनों के पहिये और राहगीरों के कदम।

यूनिक समय, मथुरा। कान्हा की नगरी में धनतेरस पर बाजारों में जमकर धनवर्षा हुई। पांच दिवसीय दीपोत्सव के पहले दिन शुक्रवार को खरीदारी के लिए बाजारों में ऐसा उत्साह उमड़ा कि देर रात तक रौनक बनी रही। सर्राफा बाजार से लेकर बर्तन, कपड़ा और वाहनों के शोरूम तक खरीदारों की भीड़ नजर आई। महंगाई के बावजूद लोगों के उत्साह में कोई कमी नहीं दिखी। कारोबारियों के अनुमान के मुताबिक, धनतेरस पर जिले में करीब 250 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ।

धनतेरस पर शुभ खरीदारी की परंपरा निभाने के लिए लोग परिवार के साथ बाजार पहुंचे। किसी ने सोने-चांदी के आभूषण खरीदे तो किसी ने बर्तन, इलेक्ट्रॉनिक सामान और वाहन खरीदकर त्योहार की खुशियां दोगुनी कीं। सर्राफा बाजार में सोने-चांदी के साथ हीरे जड़ित आभूषणों की मांग भी बनी रही। वहीं दोपहिया और चारपहिया वाहनों के शोरूम में भी ग्राहकों की अच्छी खासी भीड़ रही। बर्तन बाजार में स्टील, पीतल, तांबे और अन्य धातुओं के बर्तनों की खरीदारी हुई। इलेक्ट्रॉनिक सामान की दुकानों पर भी भीड़ दिखाई दी।

होली गेट, भरतपुर गेट, चौक बाजार और कृष्णा नगर सहित शहर के प्रमुख बाजारों में पैर रखने तक की जगह नहीं थी। मिठाइयों की दुकानों पर भी ग्राहकों की कतारें लगी रहीं। ड्राई फ्रूट के प्रतिष्ठानों पर भी खूब खरीदारी हुई। हर वर्ग के लोगों ने अपनी जेब और बजट के अनुसार खरीदारी की।

धनतेरस पर बाजारों में उमड़ी भीड़ और कारोबार की रफ्तार ने व्यापारियों के चेहरों पर मुस्कान ला दी। कारोबारियों को उम्मीद है कि दीपावली तक बाजारों में खरीदारी का यह उत्साह बरकरार रहेगा। त्योहार की रौनक ने बाजारों में आर्थिक गतिविधियों को भी नई गति दे दी है। करवा चौथ से दीपावली तक बाजार में करीब एक हजार करोड़ का कारोबार होने का अनुमान है।


दीपोत्सव पर्व पर रंगीन रोशनी से झिलमिलता डीग गेट चौराहा।


शुक्रवार को बिजली की रोशनी से चमकता भूतेश्वर तिराहा।

कस्बों के बाजारों में भी खूब बरसा धन

यूनिक समय, मथुरा। धनतेरस पर जिले के कस्बों में भी बाजार गुलजार रहे। कोसीकलां, छाता, गोवर्धन, फरह, राया, मांट और सुरीर, बल्देव में सुबह से देर शाम तक खरीदारों की भीड़ उमड़ी। बर्तन, सर्राफा, मिठाई, कपड़े और इलेक्ट्रॉनिक सामान की दुकानों पर खूब खरीदारी हुई। कारोबारियों के चेहरे खिले रहे।



खूब खरीदे गए मनपसंद के लक्ष्मी-गणेश

होली गेट समेत प्रमुख बाजारों में उमड़ी खरीदारों की भीड़, आकर्षक डिजाइन की प्रतिमाओं की बढ़ी मांग

घरों के पूजन और मंदिरों के लिए पसंद कर रहे लोग दुकानदारों ने सजाया रंग बिरंगी मूर्तियों का स्टॉक


शुक्रवार को होली गेट स्थित दुकान से पूजन को लक्ष्मी- गणेश खरीदती महिला।

यूनिक समय, मथुरा। दीपावली का त्योहार नजदीक आते ही बाजारों में रौनक बढ़ गई है। घरों में पूजन की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। धनतेरस पर होली गेट सहित शहर के प्रमुख बाजारों में लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियों की खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ उमड़ी। महिलाएं और पुरुष अपनी पसंद और बजट के अनुसार भगवान गणेश और माता लक्ष्मी की मूर्तियां खरीदते नजर आए।

बाजार में छोटी-बड़ी और आकर्षक डिजाइन वाली मूर्तियां दुकानों पर सजाई गई हैं। मिट्टी से बनी पारंपरिक मूर्तियों के साथ रंग-बिरंगी और सजावटी प्रतिमाएं भी ग्राहकों को आकर्षित कर रही हैं।

कोई घर के मंदिर के लिए मूर्ति पसंद कर रहा है तो कोई दीपावली पूजन के लिए लक्ष्मी-गणेश की जोड़ी खरीद रहा है। त्योहार को देखते हुए दुकानदारों ने भी विभिन्न आकार और डिजाइन की मूर्तियों का स्टॉक सजाया है। दीपावली पर माता लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा का विशेष महत्व है। हिंदू मान्यताओं के अनुसार दीपावली पर माता लक्ष्मी और भगवान गणेश की एक साथ पूजा की जाती है। माता लक्ष्मी को धन, वैभव और सुख-समृद्धि की देवी माना जाता है, जबकि भगवान गणेश विघ्नहर्ता और बुद्धि के देवता हैं।

मान्यता है कि लक्ष्मी पूजन से पहले गणेश जी की आराधना करने से शुभ कार्यों में आने वाली बाधाएं दूर होती हैं। यही वजह है कि दीपावली पर दोनों की संयुक्त प्रतिमा खरीदने की परंपरा है।

धनतेरस पर बाजारों में रिकॉर्ड तोड़ खरीदारी

सर्राफा से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स तक में उछाल

धनतेरस पर सर्राफा बाजार में मुस्तैद रही पुलिस, शांतिपूर्वक हुई खरीदारी



यूनिक समय, कोसीकलां। धनतेरस पर्व पर नगर में शुक्रवार को बाजारों में जमकर खरीदारी हुई। धन्वंतरि जयंती पर सुबह से ही बाजारों में ग्राहकों की भीड़ उमड़ पड़ी, जो देर रात तक जारी रही। व्यापारियों के अनुसार इस बार पिछले दो वर्षों की तुलना में सबसे अधिक कारोबार हुआ है।

मैन बाजार में सबसे ज्यादा भीड़ रही। मान्यता के अनुसार धनतेरस पर बर्तन खरीदना शुभ होता है। ग्राहकों ने स्टील, पीतल और तांबे के बर्तन, डिनर सेट, प्रेशर कुकर और पूजा के बर्तनों की जमकर खरीदारी की। सर्राफा बाजार में सोना-चांदी के आभूषण, चांदी के सिक्के और नोटों की खूब बिक्री हुई। ज्वेलर्स अमित सराफ के अनुसार, सोने की कीमत अधिक होने के बावजूद ग्राहकों ने जमकर खरीदारी की। चांदी के लक्ष्मी-गणेश वाले सिक्कों की सबसे अधिक मांग रही।

इलेक्ट्रॉनिक बाजार में एलईडी टीवी, फ्रि ज, वाशिंग मशीन और मोबाइल फोन की बिक्री में 35 से 40 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। वहीं सजावट बाजार में झालर, एलईडी लड़ी और रंग-बिरंगे बल्बों की दुकानों पर भीड़ रही। धनतेरस पर लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियों और पूजा सामग्री की खरीदारी का विशेष महत्व है। घंटाघर, सब्जी मंडी, मैन बाजार में मिट्टी, पीतल और चांदी की लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियां, कमलगट्टा, गोमती चक्र, रोली-कुमकुम, धूप-दीप और मिट्टी के दीयों की जमकर बिक्री हुई।

धनतेरस पर सर्राफा बाजार में सबसे ज्यादा भीड़ रहने की संभावना को देखते हुए कोसीकलां पुलिस ने विशेष सुरक्षा व्यवस्था की थी। थाना प्रभारी के नेतृत्व में सर्राफा बाजार में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया था। पुलिसकर्मी बाजार में लगातार पैदल गश्त करते रहे और हर गतिविधि पर नजर रखी।

बाजार में खरीदारी करने आई महिलाओं की सुरक्षा के लिए महिला पुलिसकर्मियों की भी तैनाती की गई थी। भीड़ में किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ या चोरी की घटना न हो, इसके लिए सादे कपड़ों में भी पुलिसकर्मी तैनात रहे। पुलिस की इस मुस्तैदी से व्यापारियों और ग्राहकों ने राहत की सांस ली। सर्राफा व्यापारियों ने पुलिस की सक्रियता की सराहना करते हुए कहा कि पुलिस मौजूद रहने से बिना किसी डर के व्यापार हो सका।

खड़े टेंपो में लगी भीषण आग धूं-धूं कर जला लोडिंग टेंपो

यूनिक समय, कोसीकलां। बस स्टेंड के सामने स्थित फौजदार मार्केट (हार्डवेयर मार्केट) में शुक्रवार की सुबह एक खड़े लोडिंग टेंपो में भीषण आग लग गई। आग इतनी भयंकर थी कि देखते ही देखते पूरा टेंपो जलकर कबाड़ बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टेंपो रोज की तरह दुकान के सामने खड़ा हुआ था। सुबह जब लोगों ने देखा तो टेंपो धूं-धूं कर जल रहा था। टेंपो का केबिन, बॉडी, पहिए और अंदर का पूरा सामान जलकर राख हो गया। टेंपो के शीशे फूट गए और बॉडी की लोहे की चादरें तक गल गईं। सूचना पर आसपास के लोग इकट्ठा हो गए। गनीमत रही कि आग बगल की बंद दुकानों तक नहीं पहुंची, नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता था। टेंपो मालिक साजिद निवासी लालाराम मार्ग का कहना है कि ये आग शॉर्ट सर्किट से नहीं, बल्कि किसी ने जान बूझकर लगाई है। सुबह चार बजे अचानक आग लगना संदेह पैदा कर रहा है। पीड़ित ने कोतवाली में तहरीर देने की बात कही है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस घटना से मार्केट के व्यापारियों में दहशत का माहौल है।

त्योहारों पर बाजारों में पुलिस का पहरा 15 दिन चलेगा चेकिंग अभियान



अतिक्रमण को लेकर दुकानदारों को चेतावनी देते सीओ अमरनाथ यादव।

सड़क और फुटपाथ से अतिक्रमण हटाने की हिदायत, सीमाओं पर भी बढ़ाई निगरानी

यूनिक समय, सुरीर। धनतेरस और दीपावली के त्योहार को देखते हुए बाजारों में सुरक्षा और यातायात व्यवस्था दुरुस्त रखने के लिए पुलिस ने अभियान शुरू कर दिया है। क्षेत्राधिकारी मांट के नेतृत्व में मांट पुलिस ने बाजारों में सघन चेकिंग की। इस दौरान सड़क और फुटपाथ पर दुकान का सामान रखकर अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों और रेहड़ी-पटरी संचालकों को सख्त हिदायत दी गई।

क्षेत्राधिकारी अमरनाथ यादव ने बताया कि एसएसपी और एएसपी के निर्देश पर बाजारों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में विशेष निगरानी की जा रही है। दुकानदारों को सड़क पर सामान न फैलाने और आवागमन बाधित न करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि यह अभियान अगले 15 दिनों तक जारी रहेगा। जनपद की सीमाओं पर बैरियर लगाकर वाहनों की चेकिंग की जा रही है। सुरक्षा के मद्देनजर सीमाओं पर निगरानी भी बढ़ाई गई है। मांट के अलावा सुरीर और नौहझील क्षेत्रों में भी अभियान चलाया गया। अभियान में इंस्पेक्टर उमेश कुमार, कस्बा चौकी प्रभारी आकाश चौहान सहित पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

गांधी चिकित्सालय परिसर में वूलन मार्केट का शुभारंभ

पालिका लेखा अधिकारी ने किया उद्घाटन

यूनिक समय, कोसीकलां। गांधी चिकित्सालय परिषद परिसर में शुक्रवार को वूलन मार्केट का शुभारंभ किया गया। उद्घाटन पालिका के लेखा अधिकारी योगेंद्र शर्मा ने फीता काटकर किया। इस दौरान आयोजकों द्वारा लेखा अधिकारी का पटका और माला पहनाकर स्वागत किया गया। सर्दी के मौसम को देखते हुए मार्केट में ऊनी कपड़ों की विभिन्न दुकानें लगाई गई हैं। यहां कंबल, स्वेटर, जैकेट, शॉल और बच्चों के गर्म कपड़ों की भरपूर रेंज उचित दामों पर उपलब्ध है। आयोजकों ने बताया कि यह वूलन मार्केट पूरे सर्दी सीजन तक चलेगा और आम लोगों को सस्ते दामों पर गुणवत्तापूर्ण गर्म कपड़े उपलब्ध कराना इसका उद्देश्य है।



बूलन मार्कट का उद्घाटन करते लेखा अधिकारी योगेंद्र शर्मा।

सुरक्षा के बीच शांति से हुई जुमे की नमाज

यूनिक समय, कोसीकलां। शुक्रवार को नगर में एक ही दिन दो बड़े आयोजन होने के बावजूद पूरा दिन शांतिपूर्ण रहा। धनतेरस का पर्व और जुमे की नमाज दोनों ही बिना किसी व्यवधान के संपन्न हुए। एक ही दिन त्योहार और नमाज होने के चलते पुलिस प्रशासन पहले से अलर्ट मोड पर था। थाना स्तर पर सुरक्षा को लेकर पहले से योजना तैयार कर ली गई थी। नगर के मुख्य बाजार, बजाजा बाजार, पंजाबी बाजार, सरायशाही मस्जिद समेत भीड़भाड़ वाले सभी स्थानों को चिन्हित कर वहां पुलिस बल तैनात किया गया था। पूरे दिन पुलिस की गश्त जारी रही। थाना प्रभारी निरीक्षक कमलेश सिंह स्वयं टीम के साथ पैदल भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लेते रहे। संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए सादे कपड़ों में भी पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई थी। बाजार में जाम न लगे और नमाज के दौरान किसी को असुविधा न हो, इसका विशेष ध्यान रखा गया। पुलिस ने त्योहार से पहले ही व्यापारी वर्ग और मस्जिद कमेटियों से बातचीत कर शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की थी। लोगों ने भी पूरा सहयोग किया, जिससे दोनों आयोजन शांतिपूर्वक संपन्न हो गए।

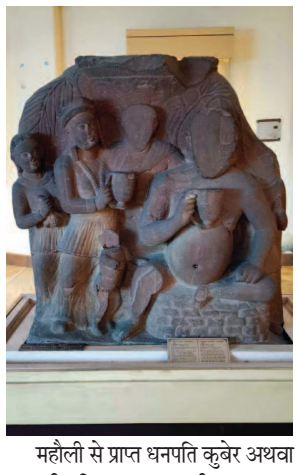


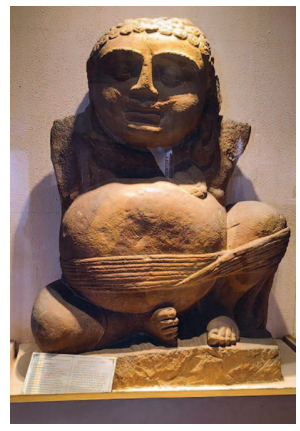
NAME CHANGE

I, AKHILESH KUMAR SHARMA S/O MAHESH CHAND SHARMA R/O 2A/147 krishna vihar colony phase-2 police station kotwali mathura teh. mathura Mathura Bangar Krishna Nagar Mathura Uttar Pradesh 281004, have changed the name of my minor daughter KANISHK SHARMA aged 12 years and she shall hereafter be known as KANISHKA SHARMA.

दीपावली पर पूजे जाते हैं कुबेर, मथुरा में सहेजी हैं उनकी दुर्लभ प्रतिमाएं

यूनिक समय, मथुरा। दीपावली पर घरों और प्रतिष्ठानों में माता लक्ष्मी के साथ धन के देवता भगवान कुबेर की पूजा-अर्चना की जाती है। धार्मिक मान्यता के अनुसार कुबेर देवताओं के कोषाध्यक्ष और धन-संपत्ति के स्वामी हैं। सुख-समृद्धि और धन-धान्य की कामना से होने वाली इस पूजा का मथुरा से भी खास ऐतिहासिक जुड़ाव है। कान्हा की नगरी के राजकीय संग्रहालय में भगवान कुबेर की प्राचीन और दुर्लभ प्रतिमाएं आज भी सुरक्षित हैं। महौली और पालीखेड़ा से प्राप्त ये कलाकृतियां प्राचीन मथुरा की समृद्ध मूर्तिकला और सांस्कृतिक विविधता की कहानी बयां करती हैं।





महौली से प्राप्त धनपति कुबेर अथवा यक्ष की प्रतिमा कुषाणकालीन कला का विशिष्ट उदाहरण है। प्रतिमा में कुबेर का विशाल सिर, बड़ा पेट और शरीर की तुलना में छोटे पैर दर्शाए गए हैं। चेहरे पर प्रसन्नता का भाव है। कानों में भारी कुंडल, गले में मोटी चेन, सिर पर घुंघराले बाल और मूंछों का बारीक चित्रण किया गया है। प्रतिमा की दोनों भुजाएं खंडित हैं। बाएं पैर और पेट के ऊपर दुपट्टा कसकर बांधा गया है, जो पेट को सहारा देता हुआ दिखाई देता है। इसकी बैठने की मुद्रा और शारीरिक बनावट इसे अन्य प्रतिमाओं से अलग पहचान देती है।

महौली की कुषाणकालीन प्रतिमा में प्राचीन शिल्पकला की झलक

पालीखेड़ा की कलाकृति में भारतीय, यूनानी-ईरानी संस्कृति का संगम

पालीखेड़ा गांव से प्राप्त असविपायी कुबेर की प्रतिमा भी संग्रहालय की महत्वपूर्ण कलाकृतियों में शामिल है। इसे प्रथम शताब्दी ईस्वी का माना गया है। करीब एक मीटर लंबी इस प्रतिमा में भारी शरीर वाला पुरुष चट्टान पर बैठकर सुंदरियों के हाथों से सजे प्यालों में मदिरापान करता दिखाई देता है। प्रतिमा के पीछे का दृश्य भी विशेष है। इसमें मदिरापान के प्रभाव से व्यक्ति की लड़खड़ाती अवस्था और उसे सहारा देते अनुचरों का चित्रण किया गया है।

इस कलाकृति में स्त्री-पुरुषों की वेशभूषा और बच्चों के चित्रण में यूनानी शैली का प्रभाव दिखाई देता है, जबकि मदिरा पीने के प्यालों में ईरानी कला की झलक मिलती है। मुख्य पुरुष भारतीय धोती पहने हुए है। इस तरह एक ही प्रतिमा में भारतीय, यूनानी और ईरानी संस्कृतियों का अद्भुत समन्वय देखने को मिलता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार भगवान कुबेर को उत्तर दिशा का दिक्पाल भी माना जाता है। दीपावली पर माता लक्ष्मी के साथ उनका पूजन धन-धान्य और सुख-समृद्धि की कामना से किया जाता है।

फैक्ट्री से चोरी करते दो चोर गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। गोविंदनगर पुलिस ने फैक्ट्री में चोरी करते दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी किए गए एसी पाइप, बिजली के तार और चोरी में इस्तेमाल होने वाले औजार बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, बीती रात करीब दो बजे सुधा अग्रवाल की गोकुल रेस्टोरेंट स्थित फैक्ट्री में चोरी की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और फैक्ट्री से सामान चोरी कर रहे दोनों युवकों को दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शैलेंद्र निवासी धोबीपाड़ा और लोकेंद्र निवासी इंद्रपुरी कॉलोनी के रूप में हुई है। पुलिस ने उनके कब्जे से फैक्ट्री से चुराए गए एसी पाइप और बिजली के तारों के अलावा कटर, कैंची, पेचकस और रिंच बरामद किए हैं। पुलिस आरोपियों के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई कर रही है।

BSA COLLEGE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY, MATHURA
A.S.M. POLYTECHNIC, MATHURA
Established & Governed by Shri Agrawal Shiksha Mandal (Regd.), Mathura
Approved by A.I.C.T.E. & P.C.I. and Affiliated to A.K.T.U. & B.T.E.U.P., Lucknow
AKTU CODE: 065 & 1182, BTEUP CODE: 1634, 1227 & 1695
Estd. 1997
Estd. 2017
विद्या ददाति विनयम्



Courses Offered

B.TECH
- Civil Engineering
- Computer Science & Engineering
- Computer Science & Engineering (AI & ML)
- Electrical Engineering
- Electronics & Communication Engineering
- Mechanical Engineering

BBA Bachelor of Business Administration

BCA Bachelor of Computer Application

MBA
Master of Business Administration
Specialization
Finance, Marketing, Human Resource, Operations, International Business, Information Technology

DIPLOMA (Polytechnic)
- Civil Engineering
- Computer Science & Engineering
- Electronics & Communication Engineering
- Electrical Engineering
- Mechanical Engineering
- Mechanical Engineering (Production)
- Mechanical Engineering (Automobile)

PHARMACY
- Bachelor of Pharmacy (B.Pharm.)
- Diploma in Pharmacy (D.Pharm.)

MCA (2 Years)
Master of Computer Application

Shri Rajnikant Agrawal Chauksi
President
Shri Agrawal Shiksha Mandal, Mathura

Shri Manoj Bansal
Secretary
Shri Agrawal Shiksha Mandal, Mathura

Er. Nitin Mittal
Chairman
BSA College of Engineering & Technology , Mathura

Shri Vishal Bansal
Vice-Chairman
BSA College of Engineering & Technology , Mathura

Members Governing Board
- Shri Pramod Kumar Garg
- Shri Rahul Agrawal Shorawale
- Shri Aduait Goyal
- Shri Vimal Agrawal
- Shri Umesh Kumar Agrawal
- Shri Umang Mittal
- Shri Madhav Agrawal
- Shri Uma Shankar Agrawal (Adv.) (Ex - Chairman)

Contact Details:-
B.TECH. - 9105337818
BBA / MBA - 9259474148
BCA / MCA - 9058165669
B.PHARM. / D.PHARM. - 8267056899
POLYTECHNIC DIPLOMA - 7455087194
www.bsacet.org
www.asmp.ac.in
info@bsacet.org
info@asmp.ac.in

राजीव एकेडमी के दीवाली हाट में विद्यार्थियों ने मचाई धूम



दीवाली हाट कार्यक्रम के बाद पुरस्कार प्राप्त करते छात्र-छात्राएं।

यूनिक समय, मथुरा। राजीव एकेडमी फॉर टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट में आयोजित दिवाली हाट-2026 में विद्यार्थियों ने उत्साह और उमंग के साथ त्योहार की खुशियां मनाईं। रंग-बिरंगी सजावट, लजीज व्यंजनों, संगीत, नृत्य और मनोरंजक गतिविधियों से सजे परिसर में दिनभर उत्सव का माहौल रहा। विद्यार्थियों ने विभिन्न गतिविधियों में भाग लेकर अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया।

दिवाली हाट की खासियत इसकी 'फॉर स्टूडेंट्स, बाय स्टूडेंट्स' थीम रही। आयोजन की योजना बनाने से लेकर व्यवस्थाओं और गतिविधियों के संचालन तक की जिम्मेदारी विद्यार्थियों ने संभाली। इससे उन्हें नेतृत्व क्षमता, टीम भावना, प्रबंधन कौशल और उद्यमिता के व्यावहारिक अनुभव हासिल करने का अवसर मिला।

कार्यक्रम में खान-पान के स्टॉल, संगीत और नृत्य प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहीं। संचालन नेहल कौशिक, श्रेष्ठ रावत, प्रिया यादव, मुस्कान और प्राची सक्सेना ने किया। आयोजन को सफल बनाने में प्रो. मोहम्मद जाहिद, प्रो. दीपक सिंह और डॉ. मनीष उपाध्याय का विशेष योगदान रहा। दिवाली हाट का सबसे रोमांचक आकर्षण लकी ड्रॉ रहा। इसमें

फूड, म्यूजिक और डांस के बीच सजा मनोरंजन का मंच लकी ड्रॉ में 20 विद्यार्थियों को मिले आकर्षक उपहार

कुल 20 विद्यार्थियों को पुरस्कार दिए गए। बीबीए तृतीय सेमेस्टर के तरुण अग्रवाल ने प्रथम, बीसीए प्रथम सेमेस्टर की खुशी शुक्ला ने द्वितीय और इसी सेमेस्टर के आशीष फौजदार ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। इनके अलावा 17 अन्य विद्यार्थियों को भी उपहार मिले। पुरस्कारों में कंबल, इलेक्ट्रिक केतली, डिनर सेट, ईयरबड्स, सेल्फी स्टैंड, नेकबैंड, ब्लूटूथ स्पीकर, लंच बॉक्स और वाटर बॉटल शामिल रहे।

संस्थान के चेयरमैन डॉ. आरके अग्रवाल ने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए किताबी ज्ञान के साथ सांस्कृतिक और रचनात्मक गतिविधियां भी जरूरी हैं। ऐसे आयोजन आत्मविश्वास बढ़ाने और सामूहिक रूप से कार्य करने की प्रेरणा देते हैं।

निदेशक डॉ. अमर कुमार सक्सेना ने कहा कि दिवाली हाट विद्यार्थियों को मनोरंजन के साथ व्यावहारिक ज्ञान, प्रबंधन और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का अवसर देता है। '

जनगणना कार्य में लापरवाही न बरतें समय से पूरी करें जिम्मेदारी



जनगणना प्रशिक्षण कार्यक्रम में कर्मचारियों को दिशा-निर्देश देते सहायक नगर आयुक्त नीरज शर्मा।

यूनिक समय, मथुरा। जनगणना के द्वितीय चरण की तैयारियों को लेकर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में शुक्रवार को औरंगाबाद जोन के चार्ज अधिकारी और सहायक नगर आयुक्त नीरज शर्मा ने व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने प्रशिक्षण में शामिल सुपरवाइजरों और प्रगणकों को जनगणना संबंधी कार्य पूरी गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ निर्धारित समय में पूरा करने के निर्देश दिए।

नीरज शर्मा ने कहा कि जनगणना राष्ट्रीय महत्व का कार्य है। इसमें जुटाए जाने वाले आंकड़ों की शुद्धता बेहद जरूरी है। सभी कर्मचारी जनगणना की प्रक्रिया और निर्धारित नियमों को अच्छी तरह समझ लें, ताकि सूचनाओं के संकलन में किसी तरह की त्रुटि न हो। उन्होंने सुपरवाइजरों को अपने अधीनस्थ प्रगणकों के कार्यों की नियमित निगरानी करने और जरूरत पड़ने पर उनका मार्गदर्शन करने के निर्देश भी दिए।

सम्पादकीय

ऑनलाइन शॉपिंग के चक्कर में शहर घूमना भूल गए हम

दीपावली का त्योहार है। बाजारों में रौनक है, दुकानों पर सजावट है, मिठाइयों की खुशबू है और ग्राहकों को लुभाने के लिए तरह–तरह के ऑफर हैं। लेकिन इस भीड़ के बीच एक चीज गायब होती जा रही है, वह है बाजार में घूमने का पुराना आनंद। अब खरीदारी के लिए घर से निकलने की जरूरत नहीं पड़ती। मोबाइल उठाइए, उंगली चलाइए और सामान दरवाजे पर हाजिर। सुविधा इतनी बढ़ गई है कि हमने शहर को देखना ही छोड़ दिया है।



पवन गौतम
संपादक

विडंबना देखिए, दीपावली पर हम घर की सफाई करते हैं, सजावट करते हैं, नए कपड़े खरीदते हैं, लेकिन जिस शहर में रहते हैं, उसकी गलियों और बाजारों से हमारा परिचय लगातार कम होता जा रहा है। कभी खरीदारी के बहाने परिवार के साथ बाजार घूमना एक उत्सव होता था। रास्ते में किसी परिचित से मुलाकात, मिठाई की दुकान पर स्वाद चखना और दुकानदार से मोलभाव करना भी खरीदारी का हिस्सा था। अब इन सबकी जगह मोबाइल स्क्रीन पर चमकते डिस्काउंट ने ले ली है। ऑनलाइन शॉपिंग का कमाल भी निराला है। सामान खरीदने से पहले ग्राहक दस वेबसाइट पर कीमत जांचता है, बीस रिव्यू पढ़ता है और आधा घंटा वीडियो देखकर फैसला करता है। लेकिन पड़ोस की दुकान पर जाने के लिए उसके पास समय नहीं है। यानी मोबाइल पर दुनिया घूमने का वक्त है, मगर अपने शहर की एक गली देखने की फुर्सत नहीं! तकनीक ने सुविधा दी है, इसमें कोई दोराय नहीं। लेकिन सुविधा के नाम पर स्थानीय बाजारों को नजरअंदाज करना समझदारी नहीं है। छोटी दुकानों, कारीगरों, मिठाई विक्रेताओं और स्थानीय उद्यमियों की आजीविका भी ग्राहकों पर निर्भर करती है। जब खरीदारी का पैसा स्थानीय बाजार में पहुंचता है तो शहर की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलती है। इस दीपावली जरूरत है कि मोबाइल की दुनिया से थोड़ा बाहर निकला जाए। परिवार के साथ बाजार घूमें, स्थानीय दुकानदारों से बातचीत करें, नई गलियां खोजें और शहर के पुराने स्वाद को फिर से महसूस करें। हो सकता है किसी छोटी दुकान पर ऐसी चीज मिल जाए, जिसकी तलाश किसी बड़े ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर भी पूरी न हुई हो। आखिर त्योहार केवल सामान खरीदने का नाम नहीं, बल्कि रिश्ते जोड़ने और खुशियां बांटने का अवसर भी हैं। इसलिए इस बार शॉपिंग कार्ट भरने के साथ यादों की झोली भी भरिए। फंडा साफ है, मोबाइल से सामान तो खरीदा जा सकता है, लेकिन शहर की रौनक, लोगों का अपनापन और बाजार की चहल–पहल डाउनलोड नहीं की जा सकती।

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

नजरिया

धर्म के आंगन में राजनीति, रिश्तों से गायब होती इंसानियत

बोध प्रकाश सगुणी

धर्म का उद्देश्य मनुष्य को बेहतर बनाना, उसके भीतर करुणा, संयम, प्रेम और नैतिकता का विकास करना है। लेकिन विडंबना देखिए कि आज धर्म की चर्चा तो खूब होती है, धार्मिक आयोजन भी पहले से अधिक भव्य होते जा रहे हैं, मंदिरों में भीड़ उमड़ती है और धार्मिक संदेशों की भरमार है, मगर जीवन के व्यवहार में धर्म का प्रभाव कितना दिखाई देता है, यह बड़ा सवाल है। माथे पर तिलक, हाथ में माला और जुबान पर धार्मिक नारे होने भर से कोई व्यक्ति धार्मिक नहीं हो जाता। धर्म की असली पहचान उसके आचरण से होती है।

आज समाज के लगभग हर क्षेत्र में राजनीति का प्रभाव दिखाई देता है। शिक्षा हो, सामाजिक संगठन हों, धार्मिक संस्थाएं हों या परिवार, हर जगह अपने हितों को आगे रखने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। सबसे चिंताजनक स्थिति तब पैदा होती है, जब धर्म को भी राजनीतिक लाभ और व्यक्तिगत स्वार्थ का माध्यम बना लिया जाता है। धर्म, जो मनुष्य को जोड़ने का काम करता है, वही जब लोगों को बांटने का औजार बनने लगे तो उसके मूल उद्देश्य पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

धर्म के नाम पर समाज में तीन तरह की प्रवृत्तियां दिखाई देती हैं। पहली वह, जो आधुनिकता और प्रगतिशीलता के नाम पर धर्म की उपयोगी शिक्षाओं को स्वीकार तो करती है, लेकिन जरूरत पड़ने पर अपने स्वार्थ के लिए उनका इस्तेमाल भी करती है। दूसरी प्रवृत्ति परंपरावाद की है, जो पुरानी मान्यताओं को तो मजबूती से पकड़े रहती है, लेकिन समय के साथ जरूरी सुधारों को स्वीकार करने से बचती है। तीसरी प्रवृत्ति राजनीतिक स्वार्थ की है, जो धर्म को जनभावनाओं से जोड़कर सत्ता और प्रभाव हासिल करने का माध्यम बना लेती है। इन तीनों के बीच कहीं धर्म का मूल संदेश पीछे छूट जाता है।

सवाल यह नहीं है कि राजनीति और धर्म की चर्चा क्यों होती है, बल्कि सवाल यह है कि धर्म का उपयोग किस उद्देश्य से किया जा रहा है। धर्म यदि समाज में सद्भाव, सेवा और नैतिकता बढ़ाता है तो उसका स्वागत होना चाहिए। लेकिन यदि उसके नाम पर अहंकार, नफरत, भेदभाव और व्यक्तिगत लाभ को बढ़ावा दिया जाता है तो यह आत्ममंथन का विषय है। धार्मिक होने का अर्थ दूसरे की आस्था को छोटा साबित करना नहीं, बल्कि अपनी सोच और व्यवहार को बेहतर बनाना है।

इसका सबसे बड़ा असर नई पीढ़ी पर पड़ रहा है। बच्चे अपने आसपास जो देखते हैं, वही सीखते हैं। यदि उन्हें धर्म के नाम पर विवाद, आरोप–प्रत्यारोप और राजनीतिक बयानबाजी दिखाई देगी तो उनके मन में धर्म के प्रति स्वाभाविक जिज्ञासा के स्थान पर उदासीनता पैदा हो सकती है। उन्हें धर्म की सुंदरता उसके उपदेशों से नहीं, बल्कि बड़ों के व्यवहार से समझ आएगी। यदि माता–पिता दूसरों के प्रति सम्मान, ईमानदारी और सहानुभूति का व्यवहार करेंगे तो बच्चे भी इन मूल्यों को अपनाएंगे।

सबसे गंभीर बात यह है कि राजनीति अब घरों की चौखट तक पहुंच चुकी है। परिवार, जो प्रेम, विश्वास और सहयोग की बुनियाद पर खड़ा होता है, वहां भी हितों का टकराव बढ़ रहा है। पति–पत्नी के बीच अपेक्षाओं को लेकर मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन जब हर बातचीत में जीत–हार का भाव आ जाए तो रिश्ता कमजोर होने लगता है। माता–पिता और बच्चों के बीच भी संवाद की जगह आदेश, आरोप और अपनी बात मनवाने की प्रवृत्ति बढ़ रही है।



परिवार कोई राजनीतिक मंच नहीं है, जहां हर व्यक्ति अपनी ताकत और प्रभाव साबित करे। यहां रिश्तों की मजबूती इस बात से तय नहीं होती कि किसकी बात मानी गई, बल्कि इससे तय होती है कि किसने दूसरे की भावनाओं को समझा। यदि माता–पिता बच्चों पर अपनी इच्छाएं थोपेंगे और बच्चे माता–पिता के अनुभवों को पूरी तरह नकार देंगे तो पीढ़ियों के बीच दूरी बढ़ना तय है। परिवार में विचारों का अंतर होना गलत नहीं, लेकिन विचारों के अंतर को मनमुटाव में बदल देना नुकसानदायक है।

धर्म की सबसे बड़ी शिक्षा अहंकार का त्याग और दूसरों के प्रति संवेदनशीलता है। राम के जीवन से मर्यादा, कृष्ण के संदेश से कर्म और विवेक, बुद्ध की शिक्षाओं से करुणा तथा महावीर के विचारों से अहिंसा की प्रेरणा मिलती है। इन शिक्षाओं को केवल धार्मिक आयोजनों या प्रवचनों तक सीमित रखने का कोई अर्थ नहीं है। इनका वास्तविक महत्व तब है, जब व्यक्ति इन्हें अपने दैनिक जीवन में उतारे।

आज जरूरत धार्मिक आयोजनों की संख्या बढ़ाने से अधिक उनके संदेश को व्यवहार में लाने की है। मंदिर जाने वाला व्यक्ति यदि घर लौटकर अपने माता–पिता का अपमान करता है, किसी जरूरतमंद की सहायता नहीं करता या दूसरों के प्रति द्वेष रखता है तो उसे अपने धार्मिक आचरण पर विचार करना चाहिए। धर्म की परीक्षा पूजा के समय नहीं, बल्कि उस समय होती है जब हमारे सामने किसी दूसरे के हित और अपने स्वार्थ में से एक को चुनने की स्थिति आती है।

राजनीति का अपना स्थान है और धर्म का अपना। दोनों को एक–दूसरे का विरोधी बनाने के बजाय उनके मूल उद्देश्यों को समझना जरूरी है। राजनीति का उद्देश्य जनकल्याण और धर्म का उद्देश्य मानवीय मूल्यों का विकास होना चाहिए। जब दोनों व्यक्तिगत स्वार्थ से ऊपर उठेंगे, तभी समाज में सकारात्मक बदलाव संभव होगा।

फंडा यह है कि धर्म को केवल बोलने, दिखाने और दूसरों को समझाने की चीज न बनाएं। उसे अपने व्यवहार में उतारें। क्योंकि सच्चा धार्मिक वही है, जिसके कारण किसी दूसरे के जीवन में दुख नहीं, बल्कि सुख और विश्वास बढ़े।

विचार विंडो

पंजाब में कमल की दस्तक, झाड़ू में बढ़ी दरारें

राम प्रकाश अग्रवाल

पंजाब की राजनीति इन दिनों एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां सत्ता का समीकरण बदलने की आहट सुनाई देने लगी है। वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी के भीतर उभरी बगावत ने राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज कर दी है। तीन विधायकों का पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल होना महज दलबदल की सामान्य घटना नहीं है, बल्कि यह सत्तारूढ़ दल के संगठन, नेतृत्व और कार्यशैली पर उठते गंभीर सवालों का संकेत भी है। खास बात यह है कि यह घटनाक्रम उस समय सामने आया है, जब आम आदमी पार्टी ने अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर चुनावी तैयारियों को गति देने की कोशिश की है।

राजनीति में किसी भी दल के लिए चुनाव से पहले अपने संगठन को मजबूत रखना सबसे बड़ी चुनौती होती है। लेकिन पंजाब में आम आदमी पार्टी के सामने अब अपने ही नेताओं का भरोसा बनाए रखने का संकट खड़ा होता दिखाई दे रहा है। अमृतसर नॉर्थ से कुंवर विजय प्रताप सिंह, समाना से चेतन सिंह जौड़ामाजरा और सनौर से हरमीत सिंह पठानमाजरा का भाजपा में जाना पार्टी के लिए राजनीतिक झटका है। इन नेताओं का जाना यह सवाल खड़ा करता है कि क्या पार्टी के भीतर सब कुछ ठीक चल रहा है या फिर नेतृत्व और जनप्रतिनिधियों के बीच संवाद की कमी गहराती जा रही है?

आम आदमी पार्टी ने वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में 92 सीटें जीतकर पंजाब में ऐतिहासिक जनादेश हासिल किया था। जनता ने पारंपरिक राजनीतिक दलों से अलग व्यवस्था और बेहतर शासन की उम्मीद में पार्टी को सत्ता सौंपी थी। भ्रष्टाचार पर अंकुश, नशे के कारोबार पर लगाम, रोजगार के अवसर और कानून–



व्यवस्था में सुधार जैसे वादे उस जनादेश की बुनियाद थे। ऐसे में सरकार के कार्यकाल के दौरान यदि उसके अपने विधायक ही नशे, अपराध, प्रशासनिक व्यवस्था और कर्ज जैसे मुद्दों पर सवाल उठाने लगें तो इसे केवल राजनीतिक विरोध कहकर खारिज नहीं किया जा सकता।

कुंवर विजय प्रताप सिंह का बेअदबी मामलों की जांच और सरकार की पैरवी को लेकर असंतोष जताना विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। पंजाब में धार्मिक भावनाओं और गुरु ग्रंथ साहिब से जुड़े मामलों का राजनीतिक और सामाजिक महत्व बेहद संवेदनशील रहा है। ऐसे मुद्दों पर जनता को जवाबदेही और न्याय की उम्मीद रहती है। यदि सरकार इन मामलों में अपेक्षित परिणाम देने में सफल नहीं होती तो उसके राजनीतिक प्रभाव से इनकार नहीं किया जा सकता। इसी तरह नशे के कारोबार, गैंगस्टर संस्कृति और कानून–व्यवस्था को लेकर उठाए गए सवाल भी सरकार के लिए आत्ममंथन का विषय होने चाहिए।

दूसरी ओर, भाजपा के लिए यह घटनाक्रम पंजाब में अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करने का अवसर बन सकता है। कृषि कानूनों के विरोध के बाद राज्य में भाजपा को जिस राजनीतिक चुनौती का सामना करना पड़ा, उससे उबरना उसके लिए आसान नहीं रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में पार्टी के प्रति बनी नाराजगी और शिरोमणि अकाली दल से अलग होने के बाद सीमित राजनीतिक आधार उसकी चुनौतियां रही हैं। ऐसे में आम आदमी पार्टी के असंतुष्ट नेताओं को अपने साथ जोड़ना भाजपा की रणनीति का हिस्सा हो सकता है। इससे पार्टी को नए चेहरे, स्थानीय राजनीतिक संपर्क और संगठनात्मक मजबूती मिल सकती है।

हालांकि, केवल दूसरे दलों के नेताओं को शामिल कर लेने से पंजाब में सत्ता हासिल करना आसान नहीं होगा। भाजपा को किसानों का विश्वास जीतने, ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी स्वीकार्यता बढ़ाने और राज्य के सामाजिक समीकरणों को समझने की जरूरत होगी। पंजाब की राजनीति में किसान, सिख समुदाय, धार्मिक संस्थाएं और क्षेत्रीय अस्मिता जैसे विषय महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसलिए भाजपा के सामने चुनौती केवल राजनीतिक विस्तार की नहीं, बल्कि जनता के बीच भरोसा कायम करने की भी है।

आम आदमी पार्टी के लिए सबसे बड़ी चुनौती टिकट वितरण और संगठनात्मक असंतोष को संभालना है। चुनाव से पहले उम्मीदवारों की सूची जारी करना रणनीतिक फैसला हो सकता है, लेकिन यदि इससे पुराने नेताओं और कार्यकर्ताओं में नाराजगी पैदा होती है तो उसका नुकसान चुनाव में उठाना पड़ सकता है। किसी भी राजनीतिक दल की मजबूती केवल उसके शीर्ष नेतृत्व से नहीं, बल्कि बूथ स्तर तक सक्रिय कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों के विश्वास से तय होती है। नेतृत्व यदि अपने विधायकों की समस्याओं और शिकायतों को समय रहते नहीं सुनता तो असंतोष बगावत का रूप ले सकता है।

हालांकि, विधायकों के भाजपा में शामिल होने को आम आदमी पार्टी के तत्काल राजनीतिक अंत के रूप में देखना जल्दबाजी होगी। तीन नेताओं के जाने से सरकार का बहुमत समाप्त नहीं होता।

दलबदल कानून, विधानसभा में संख्या बल और आगामी राजनीतिक घटनाक्रम भी महत्वपूर्ण होंगे। इसी तरह 20 से 30 विधायकों के दूसरे दलों के संपर्क में होने जैसे दावों को भी प्रमाणित तथ्यों के बजाय राजनीतिक चर्चाओं और दावों के रूप में ही देखा जाना चाहिए।

असल सवाल यह है कि पंजाब की जनता ने जिस बदलाव की उम्मीद के साथ आम आदमी पार्टी को सत्ता सौंपी थी, क्या सरकार उस कसौटी पर खरी उतर रही है? विपक्ष का काम सरकार की कमजोरियों को सामने लाना है, लेकिन सत्ता पक्ष की जिम्मेदारी उन सवालों का जवाब देना और व्यवस्था में सुधार करना है। भाजपा के लिए भी यह अवसर तभी सार्थक होगा, जब वह केवल राजनीतिक जोड़तोड़ के बजाय जनता के मुद्दों पर अपनी विश्वसनीयता साबित करे।

फिलहाल पंजाब की राजनीति में कमल और झाड़ू के बीच मुकाबले की जमीन तैयार होती दिख रही है। आने वाले दिनों में दलबदल, टिकट वितरण और राजनीतिक गठबंधन नए समीकरण बना सकते हैं। लेकिन लोकतंत्र में किसी भी दल की असली ताकत विधायकों की संख्या से अधिक जनता का विश्वास होता है। आम आदमी पार्टी के लिए यह आत्ममंथन का समय है और भाजपा के लिए अपनी राजनीतिक स्वीकार्यता साबित करने की परीक्षा। वर्ष 2027 का चुनाव तय करेगा कि पंजाब में सत्ता परिवर्तन की यह आहट वास्तव में राजनीतिक बदलाव में बदलती है या फिर यह केवल चुनाव से पहले की सियासी हलचल बनकर रह जाती है।

सुविचार

संवेदनाओं से भरे शब्द जीवन को नई रोशनी और अर्थ देते हैं।

कल का पंचांग

तिथि	त्रयोदशी	10:31-10:48 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष	
नक्षत्र	चित्रा	04:43-05:52 तक	माह	कार्तिक	
सूर्योदय		6:34 AM	चन्द्रोदय	04:35 AM	
सूर्यास्त		5:32 PM	चंद्रास्त	04:02 PM	
सूर्य राशि		तुला राशि	चंद्र	कन्या राशि	
शुभ मुहूर्त		11:41AM –12:26 PM	ब्रहम् मुहूर्त	04:52-05:43	
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083	
राहुकाल		09:19 AM: 10:41 AM	वार	शनिवार	

ब्रज के मंदिरों के दर्शन



ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

नरक चतुर्दशी : नरकासुर वध के बाद मां ने कृष्ण से मांगा वरदान



यूनिक समय, मथुरा। नरक चतुर्दशी यानी छोटी दीपावली का संबंध भगवान श्रीकृष्ण और असुर नरकासुर के वध से जुड़ा है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, नरकासुर इतना शक्तिशाली हो गया था कि उसने देवताओं को भी परेशान कर दिया था। उसने देवमाता अदिति के कुंडल छीन लिए और हजारों राजकुमारियों को अपने महल में बंदी बना लिया था। अत्याचारों से परेशान होकर देवताओं ने भगवान श्रीकृष्ण से सहायता मांगी।

सत्यभामा बनीं युद्ध की साक्षी, कृष्ण ने किया नरकासुर का अंत

बेटे की मृत्यु के बाद भूदेवी ने कृष्ण से मांगा वरदान

बेटे के वध पर मां ने कृष्ण के सामने जोड़े हाथ

कथा के अनुसार, भगवान श्रीकृष्ण अपनी पत्नी सत्यभामा के साथ गरुड़ पर सवार होकर नरकासुर की राजधानी प्रागज्योतिषपुर पहुंचे। असुर के किले की सुरक्षा कई मजबूत घेरों से की गई थी। श्रीकृष्ण ने अपनी दिव्य शक्तियों से इन बाधाओं को पार किया और मुर नामक राक्षस का वध किया। इसी कारण उनका नाम मुरारी पड़ा।

इसके बाद नरकासुर हाथी पर सवार होकर युद्धभूमि में पहुंचा। उसने भगवान कृष्ण को चुनौती दी, लेकिन उनके सामने उसकी शक्ति टिक नहीं सकी। अंततः भगवान कृष्ण ने सुदर्शन चक्र से उसका वध कर दिया। इस युद्ध में सत्यभामा की उपस्थिति को भी विशेष महत्व दिया जाता है। मान्यता है कि सत्यभामा स्वयं भूदेवी का अंश थीं।

नरकासुर के वध के बाद उसकी माता भूदेवी प्रकट हुईं। उन्होंने भगवान कृष्ण को प्रणाम किया और अपने पुत्र के अपराधों के बावजूद उसके बेटे भगदत्त की रक्षा करने का अनुरोध किया। कृष्ण ने भगदत्त को अभयदान दिया। भूदेवी ने अदिति के कुंडल और वरुण का छत्र भी भगवान को लौटा दिया।

कथा के अनुसार, नरकासुर की कैद से 16,100 स्त्रियों को मुक्त कराया गया और उन्हें सम्मानपूर्ण जीवन प्रदान किया गया। धार्मिक मान्यता है कि नरकासुर ने अंतिम समय में इच्छा जताई थी कि उसकी मृत्यु का दिन शोक नहीं, बल्कि उत्सव और रोशनी के रूप में याद किया जाए। इसी कारण छोटी दीपावली पर दीप जलाने की परंपरा को नरकासुर वध से जोड़ा जाता है।

यह कथा संदेश देती है कि रिश्तों से बड़ा धर्म और न्याय है तथा सच्ची करुणा अपराध का समर्थन नहीं, बल्कि निर्दोषों की रक्षा करना है।

JAIGURUDEV MULTISPECIALITY HOSPITAL
मथुरा में सबसे कम दरों पर समस्त स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएँ उपलब्ध
हमारी टीम के अनुभवी एवं विशेषज्ञ डॉक्टर
डॉ. अनिल कुमार गौतम — M.B.B.S, M.D., MEDICINE (CONSULTANT PHYSICIAN)
डॉ. दुर्गेश कुमार — M.B.B.S, D.N.B., ORTHO-SUR. JOINT REPLACEMENT
डॉ. वी. के. पांडे — M.B.B.S. M.S. Ortho
डॉ. संदीप गोवर्धन चौहान — M.B.B.S, D.N.B., NEURO SURGEON
डॉ. इला अग्रवाल — M.B.B.S. M.S. Ortho
डॉ. एकता थडानी — M.B.B.S., DNB. (OBGY)
डॉ. सी. एम. मवार — M.B.B.S. DVD. MIADVI
डॉ. नितेश जिंदल — MBBS, MD, MEDICINE
डॉ. नरेश अग्रवाल — M.B.B.S., D.C.H
डॉ. अर्पण मौर्य — M.B.B.S., M.S. (SURGERY) F.M.A.S F.I.A.G.E.S GERASER SURGO &
डॉ. मनदीप यादव — D.P.T B.P.T
डॉ. चेतना अग्रवाल — B.D.S., MIDA
डॉ. हरि प्रसाद — (B.H.M.S) CONSULTANT HOMOEOPATH
डॉ. एम. माहेश्वरी — M.B.B.S. (MS) OPTHOLMALOGY
आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत ₹ 5 लाख तक का नि:शुल्क उपचार
आयुष्मान कार्ड धारकों का स्वागत है
आपातकालीन मो.नं. 7078877006
8650777901, 8953925593
Maholi Link Road, Mathura (U.P.)

पृथ्वीराज चौहान के लिए आज भी दिवाली पर मनाते हैं शोक



यूपी के इस गांव में दीवाली पर नहीं जलते दीप

देव एकादशी पर मनाते हैं दीपावली का उत्सव

यूनिक समय, मथुरा। देशभर में जहां दीपावली का त्योहार दीपों की रोशनी और खुशियों के साथ मनाया जाता है, वहीं उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले के एक गांव में इस दिन शोक मनाया जाता है। मड़िहान तहसील के अटारी गांव में चौहान समुदाय के लोग दीपावली पर उत्सव नहीं मनाते। ग्रामीणों की मान्यता है कि इसी दिन पृथ्वीराज चौहान गोलोकवासी हुए थे। इसी वजह से पीढ़ियों से गांव के लोग दीपावली को शोक दिवस के रूप में मनाते आ रहे हैं। यहां दीपावली का उत्सव देव एकादशी के दिन मनाने की परंपरा है।

अटारी गांव चौहान बाहुल्य क्षेत्र है, जहां करीब दो हजार से अधिक चौहान समुदाय के लोग रहते हैं। ग्रामीण रामधनी सिंह के मुताबिक, उनके पूर्वजों ने पृथ्वीराज चौहान की स्मृति में दीपावली पर शोक मनाने की परंपरा शुरू की थी। आज भी गांव के लोग इस दिन उनकी तस्वीर रखकर श्रद्धांजलि देते हैं और उनसे जुड़े ऐतिहासिक किस्सों को याद करते हैं। परिवार के बुजुर्ग नई पीढ़ी को भी इस परंपरा के बारे में बताते हैं।

गांव की कमला सिंह के अनुसार, दीपावली के दिन जहां परिवार शोक मनाते हैं, वहीं देव एकादशी पर घरों में पूजा–पाठ और उत्सव का आयोजन किया जाता है। इस दिन परिवार के लोग मिलकर भगवान की आराधना करते हैं और दीपावली की खुशियां मनाते हैं। ग्रामीणों के लिए यह परंपरा केवल त्योहार मनाने का अलग तरीका नहीं, बल्कि पूर्वजों से मिली विरासत और पृथ्वीराज चौहान के प्रति सम्मान का प्रतीक है।

दीपावली पर नारियल का ये उपाय, घर में बरसेगी बरकत

यूनिक समय, मथुरा। दीपावली का पर्व मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा–अर्चना के लिए विशेष महत्व रखता है। इस दिन लोग घर में सुख–समृद्धि, खुशहाली और धन–धान्य की वृद्धि की कामना करते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, दीपावली पर जटा वाले सूखे नारियल से जुड़ा एक विशेष उपाय किया जाता है। माना जाता है कि इस परंपरा के पालन से घर में बरकत बनी रहती है और मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है। अयोध्या के ज्योतिषाचार्य पंडित कल्कि राम के अनुसार, इस उपाय में नारियल को लाल कपड़े में लपेटकर धन रखने के स्थान पर स्थापित किया जाता है।

इस उपाय के लिए दीपावली से एक दिन पहले जटा वाला सूखा नारियल लेकर उसे साफ और सुरक्षित स्थान पर रख दें। इस दौरान मां लक्ष्मी का



स्मरण करते हुए सुख–समृद्धि की कामना करें। दीपावली की शाम सूर्यास्त के समय नए लाल सूती कपड़े में नारियल को लपेटकर घर लाएं। इसके बाद भगवान गणेश और मां लक्ष्मी का ध्यान करें।

घर लाने के बाद नारियल को मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की प्रतिमा के पास रखें। वहां दीपक जलाकर धूप, दीप, फूल, सुगंध और नैवेद्य से

एक दिन पहले रखें जटा वाला नारियल

लक्ष्मी–गणेश के पूजन के बाद तिजोरी में रखें

पंचोपचार पूजन करें। इसके बाद घर की तिजोरी या अलमारी, जहां धन रखा जाता है, वहां भी पूजा करें। लाल कपड़े में लिपटे नारियल को धन रखने के स्थान पर स्थापित कर दें। ज्योतिषाचार्य के अनुसार, दीपावली की शाम गोपाल सहस्रनाम या संतान गोपाल सहस्रनाम का 108 बार पाठ करना भी शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इन परंपराओं से घर में सुख–शांति और समृद्धि बनी रहती है।

मृत्यु कोई यमदूत नहीं, ब्रह्मा के क्रोध से जन्मी थी स्त्री

यूनिक समय, मथुरा। धार्मिक ग्रंथों में मृत्यु को लेकर कई रोचक कथाएं मिलती हैं। आमतौर पर मृत्यु को यमराज के दूत के रूप में देखा जाता है, लेकिन महाभारत के द्रोण पर्व में मृत्यु की एक अलग ही कथा मिलती है। इसमें मृत्यु को एक स्त्री बताया गया है, जिसने जन्म लेते ही किसी का जीवन समाप्त करने से इनकार कर दिया था। उसकी आंखों से निकले आंसुओं को बीमारियों की उत्पत्ति से जोड़ा गया है।

कथा के अनुसार, अभिमन्यु की मृत्यु के बाद जब युधिष्ठिर गहरे शोक में थे, तब महर्षि वेदव्यास ने उन्हें यह



प्रसंग सुनाया। सृष्टि की रचना के बाद सभी जीव–जंतु जन्म तो ले रहे थे,

जीवों की संख्या बढ़ने से चिंतित हुए थे ब्रह्मा

मृत्यु ने ब्रह्मा से कहा– मैं किसी की जान नहीं लूंगी

मृत्यु के आंसुओं से बीमारियों की उत्पत्ति की मान्यता

लेकिन किसी की मृत्यु नहीं हो रही थी। धीरे–धीरे उनकी संख्या इतनी बढ़ गई कि पृथ्वी पर जीवन का संतुलन बिगड़ने लगा। धरती का भार बढ़ने पर भूदेवी वह ब्रह्मा के पास पहुंची।

इस समस्या से चिंतित ब्रह्मा को क्रोध आया और उनके शरीर से भयंकर अग्नि प्रकट हुई। तभी भगवान शिव ने उनसे जीवों पर दया करने का आग्रह किया। ब्रह्मा ने अपना क्रोध शांत किया तो उनके शरीर से एक स्त्री प्रकट हुई, जिसका नाम मृत्यु रखा गया।

ब्रह्मा ने मृत्यु को जीवों का अंत करने का दायित्व सौंपा, लेकिन वह यह सुनकर रोने लगी। उसने कहा कि किसी के परिवार से उसका प्रियजन छीनना उसे स्वीकार नहीं है। वह इस जिम्मेदारी से बचने के लिए तपस्या करने चली गई। कथा के अनुसार, अंततः ब्रह्मा ने उसे समझाया कि जीवों के शरीर में उत्पन्न होने वाली बीमारियां उनके जीवन का अंत करने का माध्यम बनेंगी। यमराज भी इस व्यवस्था में उसके सहयोगी होंगे। इस तरह मृत्यु ने अपना दायित्व स्वीकार किया।

यह पौराणिक कथा जीवन और मृत्यु के संतुलन का संदेश देती है। इसके माध्यम से समझाया गया है कि सृष्टि में जन्म और मृत्यु दोनों प्रकृति के आवश्यक नियम हैं।

धनतेरस पर यूपी के बाजारों में उमड़ी भीड़ 7000 करोड़ के कारोबार की उम्मीद

सोने-चांदी के सिक्के गाड़ियां और इलेक्ट्रॉनिक्स की सबसे ज्यादा मांग, लखनऊ

वाराणसी से प्रयागराज तक बाजार गुलजार



यूनिक समय, लखनऊ। धनतेरस के मौके पर उत्तर प्रदेश के बाजारों में जबरदस्त रौनक देखने को मिल रही है। लखनऊ, कानपुर, वाराणसी, गोरखपुर और प्रयागराज समेत बड़े शहरों में सुबह से ही खरीदारों की भीड़ उमड़ रही है। सोने-चांदी के सिक्कों और आभूषणों के साथ बर्तन, इलेक्ट्रॉनिक्स और वाहनों की खूब खरीदारी हो रही है। कारोबारियों के मुताबिक, प्रदेश के प्रमुख शहरों में हजारों करोड़ रुपये के कारोबार की उम्मीद है। राजधानी लखनऊ में अमीनाबाद, चौक, हजरतगंज और आलमबाग जैसे बाजारों में करीब 2,700 करोड़ रुपये के कारोबार का अनुमान है। यहां सराफा बाजार में चांदी के लक्ष्मी-गणेश, सिक्के, ब्रेसलेट और हल्के सोने के आभूषण पसंद किए जा रहे हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार में टीवी, फ्रिज और वाशिंग मशीन की मांग है। वाराणसी में इस बार करीब 4,000 करोड़ रुपये के कारोबार की उम्मीद जताई गई है।

ठठेरी बाजार, गोदौलिया और लक्सा में सोने-चांदी के सिक्कों, पूजा के बर्तनों और पीतल-तांबे के सामान की बिक्री बढ़ी है। वाहन शोरूम पर भी दोपहिया और चार पहिया गाड़ियों की बुकिंग हो रही है। कानपुर में चांदी के सीलपैक सिक्कों, मूर्तियों और डिजाइनर बर्तनों की मांग है। वहीं, गोरखपुर में धनतेरस और दीपावली के दौरान करीब 1,200 करोड़ रुपये के कारोबार का अनुमान है। यहां 4 हजार से अधिक दोपहिया और 1 हजार से ज्यादा चार पहिया वाहनों की बिक्री की उम्मीद है। प्रयागराज में अकेले धनतेरस पर 1,650 करोड़ रुपये से अधिक की खरीदारी का अनुमान है। वाहन कंपनियों की छूट और आसान किस्तों की योजनाओं ने भी ग्राहकों को आकर्षित किया है। हालांकि, कारोबारियों के ये आंकड़े अनुमानित हैं। वास्तविक बिक्री का आकलन त्योहार के बाद होगा।

महिला को निर्वस्त्र कर तीन घंटे तक पीटा, खंभे से बांधा

ग्राम प्रधान पर यौन हिंसा और धर्म परिवर्तन के दबाव का आरोप

महिला आयोग पहुंचकर मांगा न्याय



यूनिक समय, सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर में एक महिला के साथ बर्बरता का मामला सामने आया है। पीड़िता ने ग्राम प्रधान और उसके सहयोगियों पर घर में घुसकर निर्वस्त्र करने, खंभे से बांधकर करीब तीन घंटे तक पीटने और यौन हिंसा करने का आरोप लगाया है। महिला का आरोप है कि उस पर धर्म परिवर्तन का दबाव भी बनाया गया और इनकार करने पर जान से मारने की धमकी दी गई। स्थानीय स्तर पर न्याय नहीं मिलने के बाद शुक्रवार को वह लखनऊ पहुंची और राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव से मुलाकात कर शिकायत की। पीड़िता के मुताबिक, 27 अक्टूबर की सुबह जब वह बच्चों को स्कूल भेजने की तैयारी कर रही थी, तभी ग्राम प्रधान अहमद हुसैन समेत 20-25 लोग जबरन घर में घुस आए। आरोपियों ने उसके कपड़े फाड़ दिए और लाठी-डंडों से पिटाई की। बीच-बचाव करने आई महिलाओं को भी धमकाया गया। महिला ने ग्राम प्रधान पर पहले भी यौन शोषण और जबरन गर्भपात कराने का आरोप लगाया है। उसने पुलिस पर शिकायत फाड़ने और मेडिकल परीक्षण नहीं कराने का भी आरोप लगाया। पीड़िता का कहना है कि एसपी कायालय में शिकायत के बाद भी उसे धमकियां मिलीं। अब उसने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई और परिवार की सुरक्षा की मांग की है।

आगरा नगर निगम में हंगामा माइक की निकाली अर्थी

पहले बोलने की जिद पर भिड़े भाजपा-बसपा पार्षद

महिला पार्षदों में धक्का मुक्की, मेयर नाराज होकर सदन से चली गई



यूनिक समय, आगरा। आगरा नगर निगम के 17वें अधिवेशन में शुक्रवार को जमकर हंगामा हुआ। सदन में पहले बोलने की अनुमति को लेकर भाजपा और बसपा पार्षद आमने-सामने आ गए। विवाद इतना बढ़ा कि महिला पार्षदों के बीच धक्का-मुक्की होने लगी। बसपा पार्षद सुनील शर्मा ने मेयर हेमलता दिवाकर से पहले अपनी बात रखने की अनुमति मांगी, लेकिन मेयर ने उन्हें कार्यवाही शुरू होने के बाद बोलने को कहा। इससे नाराज होकर बसपा पार्षद ने माइक उठाकर जमीन पर फेंक दिया। घटना के विरोध में भाजपा पार्षदों ने नारेबाजी शुरू कर दी। इसके बाद उन्होंने टूटे हुए माइक की प्रतीकात्मक अर्थी निकाली। पार्षदों ने अर्थी पर माला चढ़ाई और छाती पीटकर रोने लगे। वहीं, बसपा पार्षद सुनील शर्मा आंखों पर काली पट्टी बांधकर सदन के वेल में धरने पर बैठ गए। उनके समर्थन में अन्य पार्षद भी बैठ गए। हंगामा शांत नहीं होने पर मेयर ने पुलिस बुला ली और यशपाल सिंह को सदन से निष्कासित कर दिया। नाराज मेयर सदन छोड़कर चली गईं, लेकिन बाद में बसपा पार्षद उन्हें मनाकर वापस लाए। मेयर ने घटना को निंदनीय बताते हुए कहा कि माइक तोड़ने के मामले की जांच के बाद फैसला लिया जाएगा।

दीवाली पर बिजली गुल हुई तो तुरंत पहुंचेगी टीम

पीवीवीएनएल ने 14 जिलों में कंट्रोल रूम किए सक्रिय

फॉल्ट की शिकायत के लिए जारी किए मोबाइल नंबर



यूनिक समय, आगरा। दीपावली पर बिजली उपभोक्ताओं को निर्बाध आपूर्ति देने के लिए पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (पीवीवीएनएल) ने विशेष तैयारी की है। त्योहार के दौरान किसी भी इलाके में बिजली गुल होने या लाइन में फॉल्ट आने पर उसे जल्द ठीक कराने के लिए मरम्मत टीम और क्विक रिस्पॉन्स टीम (क्यूआरटी) को अलर्ट रहने के निर्देश दिए गए हैं। पीवीवीएनएल के प्रबंध निदेशक रवीश गुप्ता ने कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर अधिकारियों को निर्देश दिया कि शिकायत मिलते ही संबंधित टीम मौके पर पहुंचे और बिजली आपूर्ति जल्द बहाल करे। पश्चिमांचल के सभी 14 जिलों में कंट्रोल रूम सक्रिय किए गए हैं। उपभोक्ता बिजली कटौती और अन्य समस्याओं की शिकायत यहां दर्ज करा सकते हैं। बिजलीघरों पर अतिरिक्त कर्मचारियों की तैनाती के साथ मरम्मत गैंग और ट्रॉली ट्रांसफार्मर भी तैयार रखे जाएंगे। इससे ट्रांसफार्मर खराब होने या लाइन में गड़बड़ी आने पर वैकल्पिक व्यवस्था की जा सकेगी। मेरठ के उपभोक्ता 9193330312 पर शिकायत कर सकते हैं। अन्य जिलों के लिए अलग-अलग नंबर जारी किए गए हैं। जरूरत पड़ने पर मुख्यालय के कंट्रोल रूम 9412749213, हेल्पलाइन 1912 और टोल फ्री नंबर 18004101912 पर भी संपर्क किया जा सकता है।

एपीके फाइल डाउनलोड करते ही खाते से उड़ गए 16 लाख

ग्रेटर नोएडा में दो लोग साइबर ठगी के शिकार

अस्पताल में अपॉइंटमेंट के नाम पर सात लाख और रिटायर्ड रेलकर्मी के खाते से नौ लाख निकाले



यूनिक समय, गौतमबुद्ध नगर । गौतमबुद्ध नगर में साइबर ठगी के दो मामलों में ठगों ने दो लोगों के बैंक खातों से कुल 16 लाख रुपये निकाल लिए। पहला मामला ग्रेटर नोएडा के कासना का है, जहां बिजेंद्र नाम के व्यक्ति को अस्पताल में डॉक्टर का अपॉइंटमेंट दिलाने के नाम पर एपीके फाइल भेजी गई। उन्होंने फाइल डाउनलोड कर जानकारी भरी, जिसके बाद उनके खाते से सात लाख रुपये निकल गए। बिजेंद्र अपनी पत्नी को दादरी के नवीन अस्पताल में दिखाने के लिए इंटरनेट पर संपर्क नंबर तलाश रहे थे। इसी दौरान खुद को अस्पताल का कर्मचारी बताने वाले व्यक्ति ने उन्हें फोन किया था। दूसरा मामला नोएडा के सेक्टर-78 का है। यहां रेलवे के सेवानिवृत्त कर्मचारी शंकरन के बैंक खाते से नौ लाख रुपये निकाल लिए गए। पीड़ित का कहना है कि उन्होंने किसी को ओटीपी तक नहीं बताया था। आरोप है कि ठगों ने उनके नाम पर फाइनेंस कंपनियों से लोन भी लिया। दोनों पीड़ितों ने नेशनल साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई है। साइबर क्राइम थाने में मुकदमे दर्ज कर पुलिस जांच कर रही है। थाना प्रभारी विजय सिंह राना ने अनजान नंबरों से भेजी गई एपीके फाइल डाउनलोड न करने की अपील की है।

मां अन्नपूर्णा के दर्शन को दो किमी लंबी कतार

यूनिक समय, वाराणसी। वाराणसी में धनतेरस के अवसर पर शुक्रवार को मां अन्नपूर्णा के स्वर्णमयी स्वरूप के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। मंदिर के बाहर करीब दो किलोमीटर लंबी कतार लगी रही। भक्त आधी रात से ही दर्शन के इंतजार में खड़े थे। सुबह 4 बजे मां का विशेष शृंगार और पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद सुबह 5 बजे मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। दर्शन करने वाले भक्तों को प्रसाद के रूप में सिक्के और लावा दिया जा रहा है। मान्यता है कि सिक्के को तिजोरी में रखने से घर में धन-समृद्धि बनी रहती है, जबकि लावा रखने से अन्न की कमी नहीं होती। सुबह 11 बजे तक करीब 60 हजार श्रद्धालु दर्शन कर चुके थे। देर रात तक दो लाख से अधिक भक्तों के पहुंचने का अनुमान है। मंदिर प्रशासन ने भीड़ को देखते हुए बैरिकेडिंग और एकल मार्ग की व्यवस्था की है। दिव्यांग श्रद्धालुओं को व्हीलचेयर से दर्शन कराए जा रहे हैं। अगले पांच दिनों तक मां के स्वर्णमयी स्वरूप के दर्शन होंगे। इस दौरान 21 किलो के रजत खजाने की भी विशेष पूजा की जाएगी।

तीसरी बार सरकार बनी तो भी बांटेंगे नियुक्ति पत्र: योगी

4,543 नए दरोगाओं को सौंपे नियुक्ति पत्र

सीएम बोले-यूपी में बिना सिफारिश और रिश्वत के मिल रही सरकारी नौकरी



यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सरकारी नौकरियों को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में युवाओं को रोजगार देने का सिलसिला आगे भी जारी रहेगा। अगर तीसरी बार भी उनकी सरकार बनती है तो नियुक्ति पत्र बांटे जाएंगे। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को लखनऊ की रिजर्व पुलिस लाइन में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस उपनिरीक्षक (एसआई) पद पर चयनित 4,543 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपे। इस दौरान उन्होंने कहा कि सरकार ने 9.50 लाख भर्तियां पूरी करने के बाद एक लाख और नियुक्तियां करने का लक्ष्य रखा था। अब यह लक्ष्य भी पूरा होने जा रहा है, लेकिन रोजगार देने का अभियान रुकेगा नहीं। कुछ नियुक्ति पत्र तीसरी बार सरकार बनने पर बांटने के लिए रखे जाएंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने नवनियुक्त दरोगाओं से भर्ती प्रक्रिया को लेकर बातचीत की। अब युवाओं को योग्यता के आधार पर बिना सिफारिश, रिश्वत और भेदभाव के नौकरी मिल रही है। मुख्यमंत्री ने पिछली सरकारों के कार्यकाल पर निशाना साधते हुए कहा कि 2003 से 2017 के बीच भर्ती प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर गड़बड़ियां हुईं। कई भर्तियों से जुड़े मामले आज भी अदालतों में लंबित हैं। उन्होंने कहा कि गलत तरीके से नियुक्तियां करने वालों की वजह से युवाओं का भविष्य प्रभावित हुआ। योगी ने आरोप लगाया कि 2017 से पहले सरकारी भर्ती में सैफई सिंडिकेट का प्रभाव था और प्रदेश के दूसरे क्षेत्रों के युवाओं को बराबर अवसर नहीं मिलते थे। उन्होंने दावा किया कि अब भर्ती प्रक्रिया में सभी क्षेत्रों के युवाओं को समान अवसर मिल रहे हैं।

मंदिर में लूट करने वाले पांच बदमाश गिरफ्तार

बलिया में पुलिस से मुठभेड़, दो आरोपियों के पैर में लगी गोली

यूनिक समय, लखनऊ। बलिया के रसड़ा स्थित लखनेश्वरडीह शिव मंदिर में पुजारी को बंधक बनाकर लूट करने वाले पांच आरोपियों को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। जवाबी कार्रवाई में दो बदमाशों के पैर में गोली लगी है। घायल आरोपियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक, सभी आरोपी बिहार के रहने वाले हैं। अपर पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार शुक्ला ने बताया कि रसड़ा के आमघाट रोड पर पुलिस चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान बिना नंबर प्लेट की इनोवा कार आती दिखाई दी। पुलिस ने उसे रोकने का इशारा किया तो जिशान और चंद्रशेखर नाम के दो आरोपी भागने लगे। पीछा करने पर बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में दोनों के पैर में गोली लगी और पांचों आरोपियों को पकड़ लिया गया। पुलिस ने आरोपियों के पास से दो अवैध तमंचे, दो खोखे और दो जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। साथ ही मंदिर से लूटे गए शिवलिंग का नाग, छतरी, राधा-कृष्ण के मुकुट और अन्य सामान भी मिला है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने 30 अक्टूबर की रात पुजारी के हाथ-पैर बांधकर मंदिर में लूट की थी। 11 अक्टूबर को गाजीपुर के पंच मंदिर में भी चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। बिहार में हुई अन्य घटनाओं की भी जांच की जा रही है।

पंजाब में चलती ट्रेन में आग लगी, पांच डिब्बे जले, सवारियों ने लगाई छलांग





राजपुरा के पास ट्रेन में मची अफरातफरी

सभी यात्रियों को सुरक्षित निकाला, कई ट्रेनों के रूट डायवर्ट

यूनिक समय, नई दिल्ली। पंजाब के पटियाला में शुक्रवार को अमृतसर से कटिहार जा रही कर्मभूमि एक्सप्रेस में अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। हादसा राजपुरा के पास बसंतपुरा स्टेशन के नजदीक हुआ। ट्रेन के चार डिब्बे आग की चपेट में आ गए। आग की लपटें और धुआं उठता देखकर यात्रियों में अफरातफरी मच गई। हालांकि, समय रहते सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। जानकारी के मुताबिक, ट्रेन संख्या 12508 अमृतसर से न्यू जलपाईगुड़ी की ओर जा रही थी। इसी दौरान इंजन से पांचवें डिब्बे तक धुआं दिखाई देने लगा। इसके बाद एहतियात के तौर पर ट्रेन को रोक दिया गया। यात्रियों ने अपना सामान लेकर डिब्बों से बाहर निकलना शुरू कर दिया। जीआरपी के एसएचओ गुरप्रीत सिंह के मुताबिक, शुरुआती जांच में एक डिब्बे के पंखे में शॉर्ट सर्किट होने से आग लगने की बात सामने आई है।

आग धीरे-धीरे आसपास के डिब्बों तक फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे अधिकारी और दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। आग को फैलने से रोकने के लिए प्रभावित बोगियों को ट्रेन से अलग कर दिया गया। हादसे में यात्रियों का सामान जलने से काफी नुकसान हुआ है। त्योहार के मौके पर अपने घर जा रहे कई यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। आग लगने की घटना के कारण सानेहवाल और अंबाला के बीच रेल यातायात प्रभावित हुआ है।

रेलवे ने कई ट्रेनों के रूट डायवर्ट किए हैं। इनमें डाउन दिशा की ट्रेन संख्या 14680, 04652, 18104, 12920 और 14674 शामिल हैं। वहीं, अप दिशा की ट्रेन संख्या 12325, 05736 और 14501 को भी वैकल्पिक मार्गों से चलाया जा रहा है। इन ट्रेनों को चंडीगढ़, सरहिंद और ललकार कलां के रास्ते से निकाला जा रहा है। रेलवे प्रशासन स्थिति सामान्य करने में जुटा है।

दिल्ली प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट सख्त कहा-पाबंदियों से नहीं सुधरेंगे हालात

सीजेआई बोले-जितने ज्यादा आदेश देंगे, उल्लंघन उतना बढ़ेगा, दिल्ली का एक्यूआई 391 पहुंचा

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते वायु प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को सुनवाई की। इस दौरान कोर्ट ने कहा कि प्रदूषण रोकने के लिए जितने ज्यादा आदेश और पाबंदियां लगाई जाएंगी, उनके उल्लंघन की संभावना भी उतनी ही बढ़ेगी। कोर्ट ने जोर दिया कि केवल सख्त नियम बनाने से समस्या हल नहीं होगी, बल्कि लोगों को जागरूक करने और उनके व्यवहार में बदलाव लाने की जरूरत है। सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन जजों की बेंच ने कहा कि दिल्ली का एक्यूआई पहले ही 400 के करीब पहुंच रहा है। वाहनों से निकलने वाला धुआं प्रदूषण की बड़ी वजह है। इसके अलावा पराली जलाने, निर्माण कार्य और सड़कों की धूल पर भी नियंत्रण जरूरी है। कोर्ट ने किसानों को पराली जलाने के बजाय मशीनों के इस्तेमाल के लिए जागरूक करने की बात कही। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से बताया गया कि उद्योगों, वाहनों, निर्माण कार्य, सड़क की धूल और पराली जलाने सहित पांच प्रमुख क्षेत्रों में नियम बनाए गए हैं। वहीं, शुक्रवार को दिल्ली का औसत एक्यूआई 391 दर्ज किया गया, जबकि रोहिणी में यह 475 तक पहुंच गया। स्कूल बंद करने या हाइब्रिड मोड में पढ़ाई कराने की मांग पर कोर्ट ने कहा कि विशेषज्ञों की राय के आधार पर फैसला लिया जाएगा। मामले की अगली सुनवाई 16 नवंबर को होगी।

बेंगलुरु में पति ने पत्नी समेत सात लोगों को मार डाला

मायके जाने से नाराज था आरोपी

पार्टी के बहाने सालों को बुलाया, सिलबट्टे से की हत्या



यूनिक समय, नई दिल्ली। कर्नाटक के बेंगलुरु में घरेलू विवाद के चलते एक कैब ड्राइवर ने अपनी पत्नी, सास समेत ससुराल के सात सदस्यों की बेरहमी से हत्या कर दी। मृतकों में सात साल का बच्चा भी शामिल है। आरोपी की पहचान शेखर के रूप में हुई है, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक, शेखर की शादी करीब 20 साल पहले सुनीता से हुई थी। सुनीता के बार-बार मायके जाने को लेकर दोनों के बीच विवाद होता था। इसी नाराजगी में उसने पूरे परिवार की हत्या की साजिश रची। आरोप है कि शेखर ने सबसे पहले पत्नी सुनीता की सिलबट्टे से हत्या की और शव को कपड़े में लपेटकर नंदी हिल्स के पास फेंक दिया। इसके बाद उसने अपने दो सालों शिवकुमार और शंकर को पार्टी के बहाने घर बुलाया और उनकी हत्या कर दी। उसने दोनों की पत्नीयों दिव्या और नलिनी, सास रूपवती और सात वर्षीय पुनीत को भी मार डाला। मामले का खुलासा नलिनी की मां की गुमशुदगी की शिकायत के बाद हुआ। पुलिस ने आरोपी की कार और वारदात में इस्तेमाल सिलबट्टा जब्त किया है। आरोपी ने घर से खून के निशान मिटाने के लिए केमिकल का इस्तेमाल भी किया था। पुलिस अन्य शवों की तलाश और मामले की जांच कर रही है।

ट्रम्प की पार्टी में बगावत रूबियो छोड़ सकते हैं साथ

मिडटर्म चुनाव में हार के बाद रिपब्लिकन पार्टी में बढ़ी खींचतान

उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भी बना रहे दूरी



यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका में मिडटर्म चुनाव में करारी हार के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी में अंदरूनी मतभेद बढ़ने लगे हैं। विदेश मंत्री मार्को रूबियो ट्रम्प प्रशासन छोड़ने पर विचार कर रहे हैं। इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, रूबियो और उनके सलाहकार भविष्य के विकल्पों पर चर्चा कर रहे हैं।

हालांकि, रूबियो ने इस्तीफे की खबरों को खारिज किया है और कहा है कि उनका कार्यकाल पूरा होने तक ट्रम्प के साथ काम करने का इरादा है। वहीं, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भी ट्रम्प से दूरी बनाते नजर आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि वह 2028 के राष्ट्रपति चुनाव को ध्यान में रखते हुए ट्रम्प से नाराज मतदाताओं को अपने साथ जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं।

मिडटर्म चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी ने बड़ी जीत दर्ज की है। प्रतिनिधि सभा में उसे 253 सीटें मिली हैं, जबकि रिपब्लिकन पार्टी 157 सीटों पर सिमट गई।

सीनेट में भी डेमोक्रेट्स को 54 सीटों के साथ बहुमत मिला है। इसके अलावा 36 गवर्नर पदों के चुनाव में डेमोक्रेट्स ने 22 सीटें जीती हैं। चुनावी हार के बाद रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ पर भी इस्तीफे का दबाव बढ़ गया है। वहीं, ट्रम्प प्रशासन में भारतीय मूल की हरमीत कौर ढिल्लों ने भी अपना पद छोड़ दिया है।

चीन बांग्लादेश को देगा फाइटर जेट, भारत की बढ़ेगी चिंता

22 हजार करोड़ की सैन्य डील, पाकिस्तानी एयरफोर्स देगी ट्रेनिंग

भारतीय सीमा से 40 किमी दूर होगा अभ्यास



यूनिक समय, नई दिल्ली। चीन अगले साल बांग्लादेश को करीब 22 हजार करोड़ रुपये के जे-सीरीज फाइटर जेट देने की तैयारी में है। इन लड़ाकू विमानों को उड़ाने की ट्रेनिंग पाकिस्तान की एयरफोर्स देगी। इसके लिए पाकिस्तानी प्रशिक्षक भारत की सीमा से करीब 40 किलोमीटर दूर बांग्लादेश के जेस्सोर एयरबेस पर पायलटों को प्रशिक्षण दे सकते हैं। पाकिस्तान की वायुसेना 2022 से चीनी जे-सीरीज विमान उड़ा रही है और उसके पास इन विमानों का अच्छा अनुभव है। इस सैन्य सहयोग को लेकर चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश की वायुसेनाओं के अधिकारियों की दिसंबर में ढाका में बैठक होगी। संयुक्त कार्यक्रम के तहत बांग्लादेशी पायलटों के अलावा रडार ऑपरेटरों और ग्राउंड स्टाफ को भी प्रशिक्षण दिया जाएगा। पाकिस्तानी एयर वाइस मार्शल औरंगजेब अहमद के नेतृत्व में पांच सदस्यीय टीम ढाका पहुंचकर एयरबेस और प्रशिक्षण सुविधाओं का जायजा ले चुकी है। इस समझौते से भारत की सुरक्षा चिंताएं बढ़ सकती हैं। रक्षा विशेषज्ञों को आशंका है कि बांग्लादेश के रडार और सैन्य नेटवर्क से मिलने वाली जानकारी चीन तक पहुंच सकती है। इसका असर वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भी पड़ सकता है। इसके अलावा सिलीगुड़ी कॉरिडोर और पूर्वोत्तर राज्यों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई जा रही है।

ओडिशा में लैंडस्लाइड से सात लोगों की मौत, छह लोग लापता

यूपी के 20 शहरों में छाया कोहरा, 5 ट्रेनें रद्द

तमिलनाडु के 10 जिलों में बारिश-आंधी का अलर्ट



यूनिक समय, नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में मौसम का मिजाज बदलने लगा है। उत्तर भारत में ठंड और कोहरे का असर बढ़ रहा है, जबकि दक्षिण भारत के कुछ हिस्सों में बारिश और आंधी की चेतावनी जारी की गई है। ओडिशा के गंजाम जिले में चक्रवात अर्नब के बाद हुए लैंडस्लाइड में मरने वालों की संख्या बढ़कर सात हो गई है। हादसे में अब भी छह लोग लापता हैं। गुरुवार को मलबे से पांच और शव बरामद किए गए। यह हादसा 28 अक्टूबर को चक्रवात के बाद पहाड़ी गांव में हुआ था। वहीं, उत्तर प्रदेश में शुक्रवार सुबह लखनऊ, बाराबंकी, महराजगंज, श्रावस्ती और संभल समेत करीब 20 शहरों में घना कोहरा छाया रहा। श्रावस्ती में विजिबिलिटी 10 मीटर से भी कम दर्ज की गई। कोहरे के कारण मिर्जापुर में पांच ट्रेनों को अगले तीन महीने के लिए रद्द कर दिया गया है। प्रदेश के कई जिलों में न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंच गया है। दूसरी ओर, मौसम विभाग ने तमिलनाडु के कांचीपुरम और तिरुवन्नामलाई समेत 10 जिलों में हल्की से मध्यम बारिश का अलर्ट जारी किया है। कुछ इलाकों में तेज हवाएं और आंधी चलने की भी संभावना है। तिरुवरूर में लगातार दूसरे दिन बारिश से कई सड़कों पर पानी भर गया। मध्य प्रदेश में तापमान में करीब 1.5 डिग्री की गिरावट से ठंड बढ़ी है। उत्तराखंड में मौसम फिलहाल शुष्क रहने का अनुमान है, जबकि 8-9 नवंबर को पहाड़ी इलाकों में बारिश और बर्फबारी के आसार हैं। हिमाचल में भी 9-10 नवंबर को मौसम बदल सकता है।

पटना में 20 मिनट तक चली मुठभेड़, तीन शूटर ढेर

एसएचओ को भी लगी गोली, अस्पताल में परिजनों का पांच घंटे तक हंगामा

पथराव और तोड़फोड़ के बाद एम्स में होगा पोस्टमॉर्टम



यूनिक समय, नई दिल्ली। पटना में शुक्रवार सुबह पुलिस और अपराधियों के बीच हुई मुठभेड़ में तीन कथित शूटर मारे गए। करीब 20 मिनट तक चली मुठभेड़ के दौरान दोनों ओर से जमकर गोलीबारी हुई। पटना के एसएसपी कार्तिकेय शर्मा के मुताबिक, अपराधियों ने पुलिस टीम पर 24 राउंड फायरिंग की। जवाब में पुलिस की ओर से 18 राउंड गोलियां चलाई गईं। इस दौरान तीनों आरोपी घायल हो गए। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां पहुंचने से पहले ही उनकी मौत हो गई। घटना शेरपुर गंगा घाट के पास सुबह करीब 4:30 बजे हुई। पुलिस के अनुसार, मुठभेड़ में मारे गए आरोपियों की पहचान राजा शर्मा, बबलू कुमार यादव और जेपी यादव के रूप में हुई है। पुलिस का दावा है कि तीनों पेशेवर शूटर थे और सुपारी लेकर हत्या की वारदातों को अंजाम देते थे। देखते ही देखते अस्पताल परिसर में हंगामा शुरू हो गया। करीब पांच घंटे तक चले विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस के साथ धक्का-मुक्की, हाथापाई और पथराव हुआ। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस की गाड़ियों के शीशे भी तोड़ दिए। स्थिति नियंत्रित करने के लिए पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा।

मौके पर चार थानों की पुलिस तैनात की गई। मामले की जानकारी मिलने पर राजद सांसद मीसा भारती भी अस्पताल पहुंचीं। उन्होंने पुलिस अधिकारियों से मुठभेड़ के बारे में जानकारी ली और परिजनों को समझाया कि पहले पोस्टमॉर्टम होने दिया जाए, इसके बाद कानूनी लड़ाई लड़ी जा सकती है। उन्होंने जाति के आधार पर कार्रवाई किए जाने के आरोपों पर भी सवाल उठाए। वहीं, परिजनों का कहना था कि उनके खिलाफ लगाए गए आरोपों और पुलिस की कार्रवाई की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

दीपावली और गोवर्धन पूजा पर बदलेगी शहर की यातायात व्यवस्था

होलीगेट की ओर ऑटो ई-रिक्शा और चारपहिया वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित

भारी वाहनों के लिए भी डायवर्जन लागू

यूनिक समय, मथुरा। दीपावली और गोवर्धन पूजा पर श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए यातायात पुलिस ने शहर की यातायात व्यवस्था में बदलाव किया है। होलीगेट की ओर किसी भी मार्ग से ऑटो, ई-रिक्शा और चारपहिया वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। इनके लिए सेठ बीएन पोद्दार स्कूल, आर्य समाज फाटक, बृज बिहार पार्किंग और मल्टीलेवल पार्किंग में वाहन खड़े करने की व्यवस्था की गई है।

क्वालिटी तिराहा, विकास बाजार, आर्य समाज फाटक, भरतपुर गेट, भैंस बहोरा, कोतवाली के पीछे, चौक बाजार और मिलन तिराहे से होलीगेट की ओर ऑटो, ई-रिक्शा और चारपहिया वाहन नहीं जा सकेंगे। भरतपुर गेट से आने वाले वाहन स्टेट बैंक होते हुए टैंक चौराहे से बीएन पोद्दार स्कूल पहुंचेंगे। भैंस बहोरा की ओर से आने वाले वाहन डैंपियर नगर और पुराने बस अड्डे से होते हुए पोद्दार स्कूल परिसर में पार्क होंगे। डीग गेट से भरतपुर गेट आने वाले वाहन स्टेट बैंक की ओर डायवर्ट किए जाएंगे।

रोलर स्केटिंग स्टेट चैंपियनशिप में रुद्र चौधरी ने जीता रजत पदक



रोलर स्केटिंग स्टेट चैंपियनशिप में रुद्र रजत पदक के बाद खुशी जाहिर करते।

यूनिक समय, मथुरा। 22 से 28 अक्टूबर तक आयोजित हो रही रोलर स्केटिंग स्टेट चैंपियनशिप में जिले के खिलाड़ी रुद्र चौधरी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 10,000 पीटीपी स्पर्धा में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। उनकी इस उपलब्धि से जिले का नाम रोशन हुआ है। जिला रोलर स्केटिंग मथुरा के कोऑर्डिनेटर डॉ. दलबीर सिंह कौन्तेय ने बताया कि राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए मथुरा के 26 खिलाड़ियों का चयन किया गया है। रुद्र पूर्व में कई बार उत्तर प्रदेश की टीम का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं और प्रदेश स्तर पर अनेक पदक जीत चुके हैं। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में जिले के अन्य खिलाड़ियों से भी पदक जीतने की उम्मीद है। रुद्र चौधरी की उपलब्धि पर संघ लोकेश तोमर, हरदेव सिंह, जिला रेसलिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष कृष्णा चौधरी, जय सिंह, राजेश केहरवार, महेंद्र सिंह राजपूत, विजेंद्र कौशिक, हरपाल सिंह यादव, नितिन शर्मा, लोकेश गौतम, राहुल कुंतल और ज्ञानेंद्र ने बधाई दी।

एलीट स्कूल में रंगोली, दीपों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सजा दीपोत्सव



दीपावली से पूर्व आयोजित कार्यक्रम में देवी- देवताओं के वेश में विद्यार्थी।

देवी स्तुति और रामायण की प्रस्तुतियों ने मोहा मन

संस्कृत गायन में राज्य स्तर को चयनित मंजरी शर्मा सम्मानित

यूनिक समय, मथुरा। एलीट न्यू जेनरेशन इंटरनेशनल स्कूल में शुक्रवार को दीपावली अवकाश से पूर्व दीपोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विशेष प्रार्थना सभा में विद्यार्थियों ने देवी स्तुति, रामायण और दीपोत्सव पर आधारित रंगारंग प्रस्तुतियों से उत्सवी माहौल बना दिया। शिक्षकों और विद्यार्थियों ने रंगोली सजाकर और दीप प्रज्ज्वलित कर दीपावली की खुशियां साझा कीं। कक्षा दस की छात्रा राधिका चौधरी ने अपने संबोधन में भारतीय संस्कृति, मान्यताओं और त्योहारों के महत्व पर प्रकाश डाला। शिक्षकों ने आकर्षक रंगोली बनाई, वहीं विद्यार्थियों के लिए रंगोली गतिविधि आयोजित की गई। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने भारतीय परंपराओं और दीपावली के आध्यात्मिक महत्व को दर्शाया।

उन्होंने कक्षा नौ की छात्रा मंजरी शर्मा को संस्कृत गायन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने और राज्य स्तर के लिए चयनित होने पर सम्मानित किया। प्रधानाचार्य अंकित खंडेलवाल ने कहा कि दीपावली केवल दीपों का त्योहार नहीं, बल्कि ज्ञान, उमंग और सकारात्मकता का उत्सव है। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर एडमिनिस्ट्रेटर मुकेश चौधरी और ओएसडी डॉ. सौरभ तिवारी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

राममय प्रस्तुतियों से गूंजा अशोका इंटेलेक्ट ग्लोबल स्कूल



सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान मौजूद विद्यार्थी।

दीपावली समारोह में राधा कृष्ण की झांकी ने मोहा मन

भजन और नृत्य से विद्यार्थियों ने बांधा समां

यूनिक समय, मथुरा। शहर के भरतपुर रोड स्थित अशोका इंटेलेक्ट ग्लोबल स्कूल, तारसी में शुक्रवार को दीपावली का पर्व हर्षोल्लास और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' के संदेश के साथ आयोजित समारोह में विद्यार्थियों ने भगवान श्रीराम के जीवन, आदर्शों और बाल लीलाओं को सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से जीवंत कर दिया। भजन, नृत्य और आकर्षक झांकियों से विद्यालय परिसर राममय हो गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुआ। विद्यार्थियों की ओर से प्रस्तुत राधा-कृष्ण की मनमोहक झांकी आकर्षण का केंद्र रही। नन्हे-मुन्ने बच्चों ने आकर्षक वेशभूषा में अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। भजनों और नृत्य के माध्यम से भगवान श्रीराम की बाल लीलाओं और उनके आदर्शों का संदेश दिया गया।

विद्यालय की डायरेक्टर डॉ. निर्मल अग्रवाल ने विद्यार्थियों और शिक्षकों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दीपोत्सव अंधकार से प्रकाश, असत्य से सत्य और बुराई से अच्छाई की ओर बढ़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने विद्यार्थियों से भगवान श्रीराम के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया। समापन भगवान श्रीराम के जयघोष और सभी को दीपावली की शुभकामनाएं देने के साथ हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

दीपावली की रोशनी से दुल्हन की तरह सजने लगी कान्हा की नगरी

प्रमुख चौराहों और मार्गों पर लगाई जा रही रंग बिरंगी झालरें

शाम होते ही रोशनी से नहा उठा शहर

यूनिक समय, मथुरा। दीपावली का त्योहार नजदीक आते ही कान्हा की नगरी मथुरा एक बार फिर दुल्हन की तरह सजने लगी है। शहर में जगह-जगह रंग-बिरंगी रोशनी और आकर्षक झालरें लगाई जा रही हैं। ऐसा नजारा दिखाई दे रहा है, मानो भगवान श्रीराम 14 वर्ष का वनवास पूरा कर आज ही अयोध्या लौट रहे हों और उनके स्वागत की तैयारियां की जा रही हों। दीपावली को लेकर शहर में उत्साह का माहौल दिखाई देने लगा है। भूतेश्वर तिराहे से लेकर शहर के अन्य प्रमुख चौराहों और मार्गों पर सजावट का काम शुरू हो गया है। बिजली के खंभों, सड़कों के किनारे और प्रमुख स्थानों पर रंग-बिरंगी झालरें लगाई जा रही हैं। कहीं रंगीन लाइटों की लड़ियां तो कहीं आकर्षक सजावट लोगों का ध्यान खींच रही है। दिन में सजावट का काम चलता दिखाई देता है तो शाम होते ही रोशनी की चमक शहर की सुंदरता में चार चांद लगा देती है। दीपावली पर भगवान श्रीराम के अयोध्या लौटने की खुशी में घरों और बाजारों को दीपों से सजाने की परंपरा है। त्योहार को लेकर बाजारों में भी रौनक बढ़ने लगी है। दुकानों पर सजावट का सामान, दीपक और अन्य पूजन सामग्री खरीदने के लिए लोग पहुंच रहे हैं।



अधिकारियों ने काली की फरह की दीवाली

यूनिक समय, फरह। पुलिस- प्रशासन और अग्नि शमन विभाग की वजह से इस बार भी कस्बा में आतिशबाजी नहीं बिक सकेगी। कस्बा को प्रशासन ने सूची में शामिल नहीं किया है, न किसी को आतिशबाजी के लिए लाइसेंस जारी किया गया है। नगर मजिस्ट्रेट अनुपम कुमार मिश्रा ने बताया कि जिले में नौ स्थानों के लिए आतिशबाजी के लाइसेंस जारी किए गए हैं। फरह के लिए स्थान चयन नहीं होने से लाइसेंस नहीं बनाए गए, आवेदन वापस कर दिए थे। पुलिस- प्रशासन और अग्नि शमन विभाग की की इस कार्यशैली से आतिशबाजी लगाकर परिवार के लिए आय हासिल करने वाले निराश हैं।

कोसी में फर्जी किन्नरों पर कार्रवाई की मांग

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर में किन्नरों के बीच चल रहे विवाद को लेकर किन्नर समाज की गुरु मायाबाई ने अपनी बात रखी। उन्होंने कागज दिखाते हुए कहा कि कुछ फर्जी किन्नर असली किन्नरों के नाम पर वसूली कर रहे हैं, जो गलत है। वह वर्षों से इस क्षेत्र में रहकर अपना हक मांग रही हैं। लेकिन कुछ बाहरी और फर्जी लोग खुद को किन्नर बताकर क्षेत्र में आकर लोगों से जबरन पैसे मांग रहे हैं, असली किन्नर समाज को बदनाम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि फर्जी किन्नरों के कारण असली किन्नरों की छवि खराब हो रही है। लोग हमें गलत समझ रहे हैं। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि ऐसे फर्जी किन्नरों की जांच कर उन पर सख्त कार्रवाई की जाए। गुरु मायाबाई ने कहा कि वह प्रशासन का सम्मान करती हैं और चाहती हैं कि प्रशासन दस्तावेजों की जांच कर दूध का दूध और पानी का पानी करे। जो असली है उसे उसका हक मिले और जो फर्जी है उस पर कार्रवाई हो।

आतंकी धमकी के बाद मथुरा में हाई अलर्ट, चप्पे-चप्पे पर पुलिस की नजर

राजस्थान-हरियाणा बॉर्डर से हाईवे तक सघन चेकिंग बाजारों और संवेदनशील इलाकों में बढ़ाई सुरक्षा

यूनिक समय, मथुरा। खालिस्तानी आतंकियों की ओर से दीपावली के त्योहार को निशाना बनाने की धमकी के बाद मथुरा में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। पुलिस ने पूरे जनपद में हाई अलर्ट जारी करते हुए बाजारों, प्रमुख चौराहों, धार्मिक स्थलों और संवेदनशील इलाकों में निगरानी बढ़ा दी है। राजस्थान और हरियाणा की सीमाओं से लेकर हाईवे तक सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की तलाशी ली जा रही है।

ग्रामीण क्षेत्र में एसपी ग्रामीण आलोक राजनारायन ने छाता क्षेत्र में हाईवे पर चेकिंग कराई। इस दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले दर्जनों वाहनों को सीज किया गया। राजस्थान और हरियाणा से जुड़े रास्तों पर भी विशेष निगरानी रखी जा रही है। वहीं एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह ने संवेदनशील इलाकों में पुलिस पिकेट लगाकर सुरक्षा बढ़ाई है। रेलवे स्टेशन और बस अड्डों पर बम निरोधक दस्ते (बीडीएस) से चेकिंग कराई जा रही है। एलआईयू भी गतिविधियों पर नजर रख रही है। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि त्योहार के दौरान सुरक्षा में किसी तरह की लापरवाही नहीं बरती जाएगी।

अस्थाई आतिशबाजी विक्रेताओं को नहीं मिली परमिशन

यूनिक समय, कोसीकलां। आज धनतेरस और कल छोटी दीपावली है, लेकिन नगर के अस्थाई आतिशबाजी विक्रेताओं को अभी तक प्रशासन से चार दिवसीय बिक्री की परमिशन नहीं मिली है। इससे विक्रेताओं में भारी पेशानी है, उनका लाखों रुपये का माल आया पड़ा हुआ है। विक्रेताओं ने बताया कि उन्होंने दीपावली को देखते हुए पहले से ही आतिशबाजी का स्टॉक मंगाकर रख लिया था। उन्हें उम्मीद थी कि समय पर परमिशन मिल जाएगी, लेकिन अभी तक परमिशन न मिलने से उनकी चिंता बढ़ गई है। अगर समय पर परमिशन नहीं मिली तो उनका माल बिक नहीं पाएगा और उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। आतिशबाजी बेचकर कई परिवारों का रोजगार चलता है। साल भर इंतजार के बाद दीपावली पर ही उन्हें कुछ कमाने का मौका मिलता है, लेकिन परमिशन में देरी से उनके सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। परेशान विक्रेताओं ने इस मामले को लेकर कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी से गुहार लगाई है।